www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
संजना भारती
RNI No. : DELHIN/2016/70240
आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 भारत का आतंक पर कभी न भूलने वाला... | 3 मुख्यमंत्री ने बेगूसराय में खेलो इंडिया यूथ गेम्स का... | 4 एसआई से एसआई बने प्रवीन कुमार व...

वर्षः 9 | अंकः 195 | दिल्ली, शनिवार, 10 मई 2025 | पृष्ठ संख्याः 4 | मूल्यः 1 रुपया

■ संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस ने देश भर में निकाला जय हिंद यात्रा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस ने शुक्रवार को भारत के रक्षा प्रयासों के समर्थन में एकता और एकजुटता को बढ़ावा देने के लिए जय हिंद यात्रा के तहत देश भर में रैलियां आयोजित कीं और जनता से सरकार और सशस्त्र बलों के पीछे मजबूती से खड़े होने का आह्वान किया तथा पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान के खिलाफ सीमा पार से जवाबी कार्रवाई के लिए उनकी सराहना की। कांग्रेस प्रवक्ता रागिनी नायक ने कहा कि भारतीय नौसेना, थल सेना और वायु सेना अपना सर्वस्व देकर लगातार वीरता और पराक्रम के नए मानक स्थापित कर रही है। रागिनी नायक ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर (सीमा पार से हमला) इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। पहलगाम में पाकिस्तान के हमले का मुंहतोड़ जवाब देने, उसे काबू में करने और उसके नापाक इरादों को ध्वस्त करने के लिए भारतीय सेना जितनी प्रशंसा की हकदार है, वह उतनी ही है। मैं सेना के जज्बे, जोश और जुनून को सलाम करती हूं। उन्होंने कहा कि देशभर में कांग्रेस कार्यालयों से जय हिंद यात्रा निकाली जा रही है। उन्होंने कहा, ह्लसभी से अनुरोध है कि वे इसमें भाग लें ताकि भारत सरकार और रक्षा बलों का मनोबल ऊंचा हो। नायक ने भारतीय हवाई हमलों में मारे गए जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर के सहयोगियों और परिवार के सदस्यों के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पाकिस्तानी सेना की निंदा की। उन्होंने कहा कि आतंकी शिविरों पर हमले के बाद, पाकिस्तान ने निर्दोष भारतीयों पर गोला-बारूद बरसाया और साबित कर दिया कि वह आतंकवादियों को पनाह देता है। यह सिर्फ. आरोप नहीं बल्कि सच्चाई है। नायक ने कहा कि 1971 और कारगिल युद्धों के बाद कूटनीतिक जुड़ाव के दौर के बावजूद पाकिस्तान ने लगातार भारत को धोखा दिया।

जम्मू-उधमपुर से दिल्ली के लिए चलेंगी ट्रेनें

नई दिल्ली (एजेन्सी)। बढ़ती यात्रा मांग के जवाब में, उत्तर रेलवे ने शुक्रवार को जम्मू और उधमपुर से नई दिल्ली के लिए तीन विशेष ट्रेनें शुरू कीं। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु उपाध्याय ने कहा, "12 अनारक्षित और 12 आरक्षित डिब्बों वाली एक विशेष ट्रेन सुबह करीब 10.45 बजे जम्मू से नई दिल्ली के लिए रवाना हुई। दूसरी, 20 कोच वाली वंदे भारत ट्रेन, दोपहर 12:45 बजे उधमपुर से जम्मू और पठानकोट होते हुए नई दिल्ली के लिए रवाना हुई।" उन्होंने आगे कहा, "तीसरी विशेष ट्रेन, 22 कोच वाली आरक्षित ट्रेन, शाम करीब 7 बजे जम्मू से नई दिल्ली के लिए निर्धारित की गई है।" अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तान सीमा के पास बढ़ते तनाव के कारण, आस-पास के इलाकों से कई लोग सुरक्षित क्षेत्रों में जा रहे हैं, जिससे यात्रा की मांग में वृद्धि हुई है।

घबराहट में खरीदारी की जरूरत नहीं

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ता तनाव आने आने वाले समय में कुछ परेशानियां न खड़ी कड़े इसके लिए देखा गया कि कुछ लोगों ने पेट्रोल और डीजल को काफी ज्यादा स्टोर करना शुरू कर दिया। अब देश की सबसे बड़ी तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने शुक्रवार को लोगों को भरोसा दिलाया कि घबराकर खरीदारी करने की कोई जरूरत नहीं है। कंपनी ने कहा कि देश भर में ईंधन और एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, जिससे सभी मांगें पूरी हो सकेंगी। IOCL ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक संदेश पोस्ट किया, जिसमें कहा गया, "इंडियन ऑयल के पास देश भर में ईंधन का पर्याप्त स्टॉक है और हमारी आपूर्ति लाइनें सुचारू रूप से चल रही हैं। घबराकर खरीदारी करने की कोई जरूरत नहीं है-हमारे सभी आउटलेट पर ईंधन और एलपीजी आसानी से उपलब्ध हैं।" कंपनी ने लोगों से शांत रहने और पेट्रोल पंपों पर अनावश्यक भीड़ से बचने का अनुरोध भी किया। विशेष तौर पर पाकिस्तान की सीमा से लगे राज्यों में लोगों ने घबराहट में खरीदारी शुरू कर दी थी। पाकिस्तान की सेना ने आठ-नौ मई की रात को ड्रोन तथा अन्य हथियारों का इस्तेमाल करते हुए पूरे पश्चिमी सीमा क्षेत्र में कई हमले किए, जिसके बाद जम्मू-कश्मीर तथा पंजाब के कई शहरों में ब्लैकआउट कर दिया गया। भारतीय सेना ने कहा कि हमलों को प्रभावी ढंग से विफल कर दिया गया है। इससे लोगों में तनाव बढ़ा और घबराहट में लोगों ने ईंधन की खरीदारी शुरू कर दी। आईओसी ने कहा, शांत रहकर और अनावश्यक भीड़ लगाने से बचते हुए हमें आपकी बेहतर सेवा करने में मदद करें। इससे हमारी आपूर्ति लाइन निर्बाध रूप से चलती रहेंगी और सभी के लिए निर्बाध ईंधन पहुंच सुनिश्चित होगी।

भारत आतंकवाद की चुनौती का डटकर कर रहा सामना: एस जयशंकर

(एजेन्सी)।
नई दिल्ली। नई दिल्ली में यूरोप दिवस समारोह में विदेश मंत्री (ईएएम) डॉ. एस जयशंकर शामिल हुए और भारत के साथ एकजुटता में खड़े होने के लिए सभी का धन्यवाद दिया। नई दिल्ली में समारोह में बोलते हुए, जयशंकर ने आतंकवाद की चल रही चुनौती को संबोधित किया, इसे वैश्विक समुदाय के लिए एक साझा खतरा बताया। जयशंकर ने शुक्रवार को भारत के साथ एकजुटता में खड़े होने के लिए रूस को धन्यवाद दिया और पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद की चुनौती का सामना करने के खिलाफ देश की दृढ़ प्रतिक्रिया की पुष्टि की।

नई दिल्ली में समारोह में बोलते हुए, जयशंकर ने आतंकवाद की चल रही चुनौती को संबोधित किया, इसे वैश्विक समुदाय के लिए एक साझा खतरा बताया। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि हम ऐसे समय में एकत्र हुए

हैं जब भारत आतंकवाद की चुनौती का दृढ़ता से सामना कर रहा है। हमारा मानना है कि यह एक साझा खतरा है जिसके लिए शून्य सहनशीलता होनी चाहिए। मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने हमारे साथ एकजुटता व्यक्त की है और दृढ़ प्रतिक्रिया की आवश्यकता को पहचाना है...।

जेपी नड्डा ने की स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा बैठक

(एजेन्सी)।
नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने पाकिस्तान से लगती सीमा और हवाई अड्डों पर सुरक्षा की समीक्षा के लिए बीएसएफ, सीआईएसएफ एवं बीसीएएस के महानिदेशकों, गृह सचिव और आईबी के निदेशक के साथ बैठक की अध्यक्षता की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने सभी स्वास्थ्य केंद्रों और स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा की। स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में पूरी जानकारी दी। कंट्रोल सेंटर से पूरी निगरानी की जा रही है। बैठक में देशभर के सभी अस्पतालों

और स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा की गई। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शीर्ष सैन्य नेतृत्व के साथ शुक्रवार को बैठक कर राष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य की व्यापक समीक्षा की। यह समीक्षा भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की पाकिस्तान की कोशिशों को विफल किए जाने के एक दिन बाद की गयी। बताया जा रहा है कि सुरक्षा संबंधी बदलते हालात से जुड़े हर पहलू पर बैठक में चर्चा की गई।

बैठक में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी शामिल हुए।

15 मई तक पटाखे फोड़ने और ड्रोन उड़ाने पर लगी रोक

गुजरात (एजेन्सी)। देश भर में पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है। पाकिस्तान लगातार भारत की सीमा में गोलीबारी कर रहा है। गुरुवार आठ मई की रात को भी पाकिस्तान ने कई ड्रोन और मिसाइलों से जम्मू, गुजरात, राजस्थान की सीमा के इलाकों में हमले किए है। इनमें से कई रिहायशी इलाके भी है। वहीं अब भारत में भी एहतियात के तौर पर कदम उठाए जा रहे है। इसी बीच गुजरात सरकार ने शुक्रवार को राज्य भर में 15 मई तक सभी समारोहों और कार्यक्रमों में पटाखों

और ड्रोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने एक्स पर एक पोस्ट में लोगों से दिशा-निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया। गुजरात में 15 मई तक किसी भी समारोह या कार्यक्रम में पटाखे या ड्रोन की अनुमति नहीं होगी। कृपया सहयोग करें और दिशा-निर्देशों का पालन करें," गुजरात के गृह मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया।

नागरिक विमानों को ढाल बना रहा पाकिस्तान-विक्रम मिसरी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारत पाकिस्तान तनाव पर विदेश मंत्रालय और सेना की तरफ से ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा कल रात की गई ये भड़काऊ और आक्रामक कार्रवाइयां भारतीय शहरों और नागरिक बुनियादी ढांचे के अलावा सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर की गईं। भारतीय सशस्त्र बलों ने आनुपातिक, पर्याप्त और जिम्मेदारी से जवाब दिया... पाकिस्तान द्वारा किए गए इन हमलों का पाकिस्तानी राज्य मशीनरी द्वारा आधिकारिक और स्पष्ट रूप से हास्यास्पद खंडन उनके कपट और उनकी नई गहराई का एक और उदाहरण है। विक्रम मिसरी ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ उकसावे वाली सैन्य कार्रवाई करते हुए कंधार, उरी, पुंछ, राजौरी, अखनूर और उधमपुर जैसे एलओसी से सटे क्षेत्रों में गोलाबारी की है। इस हमले

में भारतीय सुरक्षाबलों को कुछ नुकसान हुआ और चोटें पहुंची हैं, हालांकि जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना को भी बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। मिसरी ने यह भी कहा कि पाकिस्तान ने ड्रोन हमले की असफल कोशिश करने के बावजूद अपने नागरिक हवाई क्षेत्र को बंद नहीं किया, जो कि एक खतरनाक और गैर-जिम्मेदाराना कदम है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान नागरिक विमानों को ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, जिससे न केवल पाकिस्तान बल्कि इंटरनेशनल फ्लाइट्स की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई है. हराई का एक और उदाहरण है।

केंद्र ने 24 हवाई अड्डों को 14 मई तक बंद रखने की अवधि बढ़ाई

(एजेन्सी)।
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देशभर के 24 हवाई अड्डों को 14 मई तक बंद रखने की अवधि बढ़ा दी है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तानी सेना द्वारा विफल ड्रोन हमले के बाद नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच तनाव बढ़ गया है। गुरुवार को नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने घोषणा की थी कि 10 मई तक 24 हवाईअड्डे नागरिक उड़ान संचालन के लिए बंद रहेंगे। कई एयरलाइनों ने यात्रियों

के लिए यात्रा सलाह भी जारी की है और उनसे हवाईअड्डों के बंद होने और सुरक्षा प्रोटोकॉल में वृद्धि के बारे में अपडेट रहने को कहा है। चंडीगढ़, श्रीनगर, अमृतसर, लुधियाना, भुंतर, किशनगढ़, पटियाला, शिमला, जैसलमेर, पठानकोट, जम्मू, बीकानेर, लेह, पोरबंदर आदि शहरों में हवाई अड्डे 14 मई तक बंद रहेंगे। वहीं, दिल्ली एयरपोर्ट पर हवाई यात्रा लगातार दूसरे दिन भी बाधित रही, क्योंकि भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के कारण हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध जारी रहे, जिसके कारण कई उड़ानें रद्द और विलंबित हुईं। जम्मू, पंजाब, गुजरात और राजस्थान के भारतीय शहरों पर पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइल हमले के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव और बढ़ गया। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पिछले 2 दिनों में 228 उड़ानें रद्द की गई हैं।

हवाई अड्डे के अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार को कुल 138 उड़ानें रद्द की गईं। इनमें 63 घरेलू आगमन, 66 घरेलू प्रस्थान, 4 अंतरराष्ट्रीय आगमन और 5 अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान शामिल हैं।

आईटीओ स्थित पीडब्ल्यूडी भवन पर एयर रेड अलर्ट सायरन का हुआ परीक्षण

दिल्ली भर में लगाए जाएंगे सायरन-परवेश साहिब सिंह

संजना भारती संवाददाता
नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में नागरिकों की सुरक्षा और आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों को और मजबूत करने के लिए, दिल्ली लोक निर्माण विभाग ने नागरिक सुरक्षा निदेशालय के साथ मिलकर शुक्रवार दोपहर आईटीओ स्थित पीडब्ल्यूडी मुख्यालय की बहुमंजिला इमारत पर एयर रेड अलर्ट सायरन का परीक्षण किया। यह कदम भारत-पाकिस्तान के बीच जारी सैन्य तनाव को देखते हुए उठाया गया है, जिसके तहत राजधानी की ऊंची इमारतों पर सायरन लगाए जाएंगे।

दिल्ली के लोक निर्माण मंत्री परवेश साहिब सिंह ने बताया कि शहर की प्रमुख बहुमंजिला इमारतों पर 40 से 50 एयर रेड अलर्ट सायरन लगाए जाएंगे। आपात स्थिति में यह सायरन चेतावनी देने का काम करेंगे। सभी सायरनों को एक केंद्रीय कमांड सेंटर से नियंत्रित किया जाएगा और इनका संचालन राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधीन होगा। मंत्री ने कहा, परीक्षण किया गया सायरन करीब

8 किलोमीटर की दूरी तक सुना जा सकता है। किसी भी आपात स्थिति में ये सायरन पांच मिनट तक बजाए जाएंगे, जिससे लोगों को समय रहते सतर्क किया जा सके और वे फौरन मेज के नीचे या बेसमेंट में सुरक्षित जगह तलाश सकें।

शहरभर में सायरन लगाने की यह योजना नागरिक सुरक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी पहल है। दिल्ली सरकार आपदा प्रबंधन एजेंसियों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित कर रही है कि सभी संवेदनशील और प्रमुख क्षेत्रों को कवर किया जाए और नागरिकों को समय पर सही दिशा-निर्देश मिल सकें।

PWD और नागरिक सुरक्षा की टीमें आने वाले दिनों में इन सायरनों की परीक्षण प्रक्रिया और निगरानी जारी रखेंगी ताकि जरूरत पड़ने पर वे पूरी तरह से तैयार रहे।

एंटी ड्रोन सिस्टम से ड्रग मनी पर कसेगी लगाम, आतंकवादियों की फंडिंग की टूटेगी कमर: सीएम भगवंत सिंह मान

हम सुरक्षा बलों के साथ पूरी ताकत से खड़े हैं, पाकिस्तान को मिलेगा मुंहतोड़ जवाब: भगवंत मान

संजना भारती संवाददाता
चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में एक ऐतिहासिक और निर्णायक फैसला लिया गया। बैठक में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर ड्रोन के माध्यम से हो रही हथियारों और नशे की तस्करी को रोकने के लिए अत्याधुनिक एंटी-ड्रोन सिस्टम की खरीद को मंजूरी दी गई।

मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने जानकारी दी कि राज्य सरकार 532 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 9 एंटी-ड्रोन सिस्टम स्थापित करेगी, जिससे पाकिस्तान की ओर से की जा रही ड्रोन आधारित तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकेगा। इस उद्देश्य के लिए राज्य सरकार 51.41 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने स्पष्ट शब्दों में कहा, ड्रोन के जरिए पाकिस्तान नशा और हथियार भेजकर हमारे युवाओं को बर्बाद करना चाहता है और आतंकवाद को फंडिंग देता है। लेकिन अब यह हरकतें नहीं चलेंगी। पंजाब सरकार इस

साजिश को जड़ से खत्म करेगी।

उन्होंने आगे कहा, हमारी सरकार अपनी सीमाओं की सुरक्षा और देश की अखंडता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हम अपनी सुरक्षा एजेंसियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं और पाकिस्तान को हर मोर्चे पर मुंहतोड़ जवाब देंगे।

पंजाब की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए यह फैसला और भी महत्वपूर्ण बन जाता है। राज्य की सीमा न केवल पाकिस्तान से लगती है, बल्कि अफगानिस्तान जैसे दुनिया के प्रमुख हेरोइन उत्पादक देश के नजदीक भी है। यह क्षेत्र लंबे समय से पाकिस्तान समर्थित नार्को-टेररिज्म (नशा आतंकवाद) का शिकार रहा है।

प्रवक्ता ने बताया कि हाल के वर्षों में ड्रोन और UAV के माध्यम से सीमाएं भेदने की घटनाएं बढ़ी हैं, जिनका इस्तेमाल हथियारों, नशे और विस्फोटकों को भारत में भेजने के लिए किया जा रहा है। अब ये अत्याधुनिक एंटी-ड्रोन सिस्टम इन खतरों को समय रहते पहचान कर उन्हें निष्क्रिय करेंगे।

इसके साथ ही, यह तकनीक VIP मूवमेंट और संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा में भी उपयोगी सिद्ध होगी। कैबिनेट का यह निर्णय सीमावर्ती जिलों की सुरक्षा को और मजबूत करने की दिशा में एक ठोस और रणनीतिक कदम है।

मानसून से पहले मैनुअल स्कैवेंजर को लेकर सर्वे और वर्कर्स को पीपीई और सेफ्टी किट देने का काम करें पूरा: रविन्द्र इन्द्राज

मंत्री ने मैनुअल स्कैवेंजर और नमस्ते योजना को लेकर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की

संजना भारती संवाददाता
नई दिल्ली। समाज कल्याण, एससी/एसटी कल्याण, चुनाव और सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने शुक्रवार को मैनुअल स्कैवेंजर के रूप में रोजगार पर प्रतिबंध और उनका पुनर्वास अधिनियम और नमस्ते योजना को लेकर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की।

श्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने बैठक में शहरी विकास, एमसीडी, एनडीएमसी, दिल्ली कैनटोनमेंट बोर्ड, दिल्ली जल बोर्ड, एससी/एसटी कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और जिलों के डीएम/प्रतिनिधियों को नमस्ते योजना के प्रभावी कार्यान्वयन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। एससी/एसटी कल्याण मंत्री ने मैनुअल स्कैवेंजर (हाथ से मैला ढोने वाले) को लेकर सर्वे मानसून से पहले पूरा करने के निर्देश दिए।

श्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का संकल्प है की गरीब और वंचित वर्ग को पर्याप्त सम्मान और पूरी सुरक्षा मिले, इस दिशा में चल रही नैशनल एक्शन फॉर मैकेनाइज्ड सैनिटेशन इको सिस्टम (नमस्ते) योजना के तहत सभी सीवर एण्ड सेप्टिक टैंक वर्कर्स के लिए पीपीई किट और सेफ्टी डिवाइस मानसून से पहले उपलब्ध हों, यह सुनिश्चित करें। साथ ही एमसीडी को अनियमित कॉलोनियों में सैनेटरी इन्स्पेक्टर के जरिए सर्वे जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

एससी/एसटी कल्याण मंत्री ने मैनुअली सीवर साफ करने वालों के लिए प्रशिक्षण और पुनर्वास के प्रयास तेज करने के निर्देश दिए। साथ ही एससी/एसटी कल्याण मंत्री ने पर्याप्त इमरजेन्सी रिस्पान्स सैनिटेशन यूनिट गठन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीवर एण्ड सेप्टिक टैंक वर्कर्स को आयुष्मान भारत का स्वास्थ्य कवर भी हो, यह सुनिश्चित करें।

श्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि स्टेट लेवल सर्वे कमिटी के गठन की प्रक्रिया जल्द पूरी होगी और माननीय मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में इसकी बैठक होगी। एससी/एसटी कल्याण मंत्री ने निर्देश दिए कि सीवर एण्ड सेप्टिक टैंक वर्कर्स की क्षतिपूर्ति के पेंडिंग मामलों का सभी संबंधित डीएम समयबद्ध निपटारा करें। मैनुअल स्कैवेंजर को लेकर वर्ष 2014 में दिल्ली के तत्कालीन उपराज्यपाल के नोटिफिकेशन के बावजूद पिछली सरकार ने वर्कर्स के हित में इसमें कोई गंभीरता नहीं दिखाई। मार्च 2025 से वर्तमान सरकार इस विषय पर अब तक तीन बैठकें कर चुकी है। माननीय मंत्री श्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह की अध्यक्षता में सभी संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं की योजना के तहत सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण करें।

विजेंद्र गुप्ता ने नई दिल्ली से लैंसडौन (उत्तराखंड) के लिए एडवेंचर राइड को दिखाई हरी झंडी

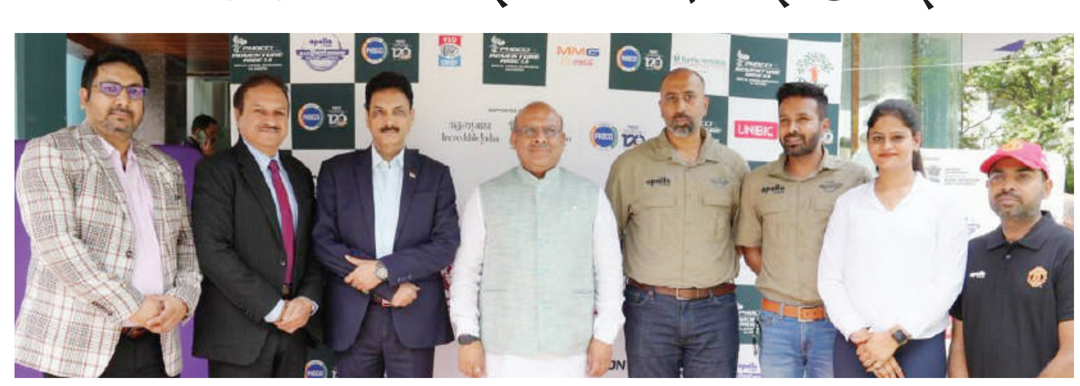

संजना भारती संवाददाता
नई दिल्ली। दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने नई दिल्ली से लैंसडौन, उत्तराखंड तक की एडवेंचर राइड 2.0 बाइक का जुनून, देवभूमि का सुकून को हरी झंडी दिखाकर रवाना। यह कार्यक्रम PHD वाणिज्य एवं उद्योग मंडल द्वारा विभिन्न कॉर्पोरेट और संस्थागत साझेदारों के सहयोग से आयोजित किया गया था। इस राइड का उद्देश्य पर्यावरणीय जागरूकता और सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देना है।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री गुप्ता ने बाइक राइड के प्रतिभागियों की सराहना की और कहा कि यह यात्रा केवल साहसिक राइड नहीं, बल्कि पर्यावरण और समाज के प्रति समर्पण की एक प्रेरणादायक पहल है। उन्होंने टीम वर्क, अनुशासन और नागरिक कर्तव्य की भावना को रेखांकित करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास युवाओं में जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं।

राइड के दौरान बाइकर्स न केवल वृक्षारोपण करेंगे, बल्कि स्थानीय समुदायों से जुड़कर सामाजिक संदेश भी फैलाएंगे। इस पहल के प्रमुख उद्देश्य-पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूकता फैलाना, सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना, और टीम भावना को सशक्त करना है।

श्री गुप्ता ने आशा व्यक्त की कि दिल्ली उत्तराखंड जैसे सबसे कम प्रदूषित शहरों में से एक बन सकती है, और कहा कि इस दिशा में ऐसे प्रयास एक सकारात्मक कदम हैं। उन्होंने बेहतर सड़क स्थितियों का उल्लेख किया, जो अब इस तरह की बाइक राइड्स को अधिक सुरक्षित और बाइकर्स के लिए सहयोगी बनाती हैं।

PHDCCI ने सभी साझेदारों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए इस बात को दोहराया कि संस्था सतत विकास और प्रभावशाली जनसंपर्क अभियानों के प्रति प्रतिबद्ध है।

सम्पादकीय

पाक को जवाब

मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात को भारतीय सेना ने बेहद पेशेवराना अंदाज में पाकिस्तान की जमीन पर चल रहे आतंकियों के 9 ठिकानों को उड़ाकर रख दिया। बड़ी संख्या में दहशतगर्दों को मौत की नींद सुलाने वाले 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिये उन निर्दोषों को न्याय दिया गया जो कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में आतंकवादियों द्वारा की गयी अंधाधुंध फायरिंग में मारे गये थे। उस कायराना और अमानवीय आतंकी कार्रवाई में कई सुहाग उजड़े थे। सम्भवतः इसीलिये इस ऑपरेशन को 'सिंदूर' नाम दिया गया। सेना ने यह कार्रवाई बुधवार तड़के में और बुधवार शाम को ही युद्धाभ्यास के रूप में भारत 244 जिलों में अपने नागरिकों को बचाने के लिये सामूहिक मॉक ड्रिल करने जा रहा था। बुधवार की शाम को यह सफलतापूर्वक किया भी गया। भारतीय सैन्य अधिकारियों ने इस पूरे ऑपरेशन का विवरण देते हुए सुबह दिल्ली में बुलाई एक प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि पड़ोसी मुल्क के किसी भी सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना नहीं बनाया गया और तब तक किसी भी नागरिक के मारे जाने की खबर नहीं थी। हालांकि आतंकी मसूद अजहर के परिवार के 10 लोगों के मारे जाने की खबर खुद मसूद अजहर के हवाले से ही आई है। वहां से कुछ आम नागरिकों के घायल होने की अपुष्ट खबरें भी हैं जो वायरल वीडियो के जरिये पहुंची हैं। इस जवाबी हमले के बाद पाकिस्तानी सेना द्वारा सीमा से सटे पुंछ इलाके में फायरिंग किये जाने के समाचार मिले हैं जिनमें 10 भारतीयों के मारे जाने तथा कुछ लोगों के घायल होने की बात कही जा रही है। भारतीय सेना के तीनों अंगों की यह संयुक्त कार्रवाई इसलिये काबिले-तारीफ है कि इससे विश्व बिरादरी को कहीं भी शिकायत या आपत्ति दर्ज करने का मौका नहीं मिला है। पाकिस्तान के पास भी इसलिये कहने को कुछ भी नहीं रह जाता क्योंकि जिन ठिकानों को हमलों के जरिये नेस्तनाबूद किया गया वे सटीक जानकारी के आधार पर उड़ाये गये हैं और यह पहले से साबित हो चुका था कि उन ठिकानों से दरम्यानी भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देते रहे हैं। पहलगाम घटना का सबक भारतीय सेना ने आतंकियों को अच्छी तरह से सिखा दिया। पाकिस्तान के पास भी विरोध के नाम पर कुछ कहने को रह नहीं जाता इसलिये अब वह सुलह और शांति की बातें सेना की ओर से आ रही हैं। पाकिस्तानी सेना के अफसर जानते हैं कि पहलगाम घटना के बाद विश्व सहानुभूति भारत के साथ है। दूसरे, इस वक्त उसकी आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वह इस घटना को बड़ी लड़ाई में तब्दील करने का दुस्साहस करे। यदि वह ऐसा करता है तो यह उसकी वैसी ही भूल होगी जो वह 1999 में कारगिल तथा उससे पहले तीन बार पूर्ण युद्ध छेड़कर कर चुका है। हर बार उसे मुंह की खानी पड़ी। बेशक, हर बार की ही तरह इस वक्त भी भारत का ही पलड़ा भारी है लेकिन उसे भी युद्ध से बचना होगा। इस कार्रवाई से देश के अंदर आतंकियों के खिलाफ जो असंतोष व नाराजगी बनी थी, उसे मिटाने में सरकार को काफी हद तक सफलता मिल गयी है। जो चीन लड़ाई की स्थिति में पाकिस्तान के साथ खड़ा होने की बात कर रहा था, वह भी अब यही कह रहा है कि कोई कारण और असर नहीं रह जाता कि पाक को समर प्रांगण में ढकेले। पाकिस्तान से भी इसी आशय के संकेत मिल रहे हैं कि चीन का साथ मिलने के बावजूद पाकिस्तान युद्ध से बचेगा। दूसरे, अगर वह लड़ाई छेड़ता है तो माना जायेगा कि वह आतंकवादियों का इस हद तक समर्थन करता है कि उसके लिये लड़ाई तक छेड़ सकता है। पहले भी उस पर दहशतगर्दों को पनाह देने और अपनी धरती का इस्तेमाल करने देने के आरोप लगते रहे हैं। उसे इस मामले में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी आलोचना झेलनी पड़ी है, परन्तु पाकिस्तान अक्सर यह कहकर खुद को बचा लेता है कि वह स्वयं आतंकवाद से पीड़ित है। हालांकि उसकी बातों में आंशिक सच्चाई तो है कि पाकिस्तान में भी ये आतंकवादी कार्रवाइयां करने से बाज नहीं आते, जिनमें उसके अपने नागरिक अक्सर मारे जाते हैं। फिर भी उसे आतंकवाद को प्रश्रय और सहायता देने के आरोपों से पूरी तरह मुक्त नहीं किया जा सकता क्योंकि आतंकियों के सफाये के लिये वह उस संजीदगी व सघनता से काम नहीं करता, जैसा कि अपेक्षित है। पाकिस्तान के कट्टरपंथी धार्मिक व राजनीतिक नेताओं, सेना एवं आईएसआई की मिलीभगत से ऐसा होता है- इससे भी सहमत हुआ जा सकता है। दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पहले ही यह कह दिया था कि 'भारत व पाकिस्तान दोनों ही उनके करीब हैं'। वे यह भी मानते हैं कि दोनों देश अपनी समस्या को मिलकर सुलझा सकते हैं। इसका साफ अर्थ है कि फिलहाल अमेरिका बीच में नहीं पड़ेगा लेकिन चाहेगा कि दोनों देश लड़ाई-झगड़े में न पड़ें। भारत को जो हासिल करना था, वह उसने कर लिया है। अब उसे इसलिये भी इस मामले को जल्दी समेट लेना चाहिये क्योंकि अभी ज्यादातर देश उसके साथ हैं। कम से कम कोई विरोध में आता नहीं दिख रहा है। चीन जो पाकिस्तान के साथ आने की बात कह रहा था, उसके पास अब कोई कारण नहीं रह गया है। यदि आतंकवाद से लेकर किसी भी मुद्दे पर पाकिस्तान कोई चर्चा करना चाहता है तो इस मसले को विराम देना चाहता है, तो भारत को भी सकारात्मक प्रतिसाद देकर मामले को खत्म करना चाहिये। बेशक वह ऐसा करने के पहले पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दे।

जयंती

पंकज मलिक

जन्म-10 मई, 1905, कलकत्ता, ब्रिटिश भारत; मृत्यु-19 फरवरी, 1978, पश्चिम बंगाल) बांग्ला संगीत और फ़िल्मों में सफलता के साथ-साथ हिन्दी फ़िल्मों में भी अपनी कामयाबी का परचम लहराने वाले शास्त्रीय संगीत के विशेषज्ञ थे। उनका पूरा नाम 'पंकज कुमार मलिक' था। वे ऐसे संगीतकार व गायक थे, जिनकी आवाज के जादू ने आज भी उनके लाखों प्रशंसकों को बांध रखा है। बहुमुखी प्रतिभा के धनी पंकज मलिक को संगीत और गायन के अलावा अभिनय में भी कुशलता हासिल थी। वह जब भी परदे पर अवतरित हुए कामयाब रहे। उनकी ऐसी हिन्दी फ़िल्मों में 'डाक्टर', 'आंधी', और 'नर्तकी' आदि विशेष चर्चित हैं। जाति प्रथा की समस्या के खिलाफ संदेश देने वाली फिल्म 'डाक्टर' में पंकज मलिक ने कई गाने खुद गाए थे, जो काफी हिट रहे। पंकज मलिक की अपनी विशिष्ट गायन शैली थी, जिसकी बदौलत उन्होंने हजारों लोगों को अपना प्रशंसक बनाया। उन्हें हिन्दी फ़िल्मों के सर्वोच्च सम्मान 'दादा साहब फाल्के पुरस्कार' से भी नवाजा गया।

पुण्यतिथि

छत्रपति साहू महाराज

जन्म-26 जुलाई, 1874; मृत्यु-10 मई, 1922, मुम्बई) को भारत में सच्चे प्रजातंत्रवादी और समाज सुधारक के रूप में जाना जाता था। वे कोल्हापुर के इतिहास में एक अमूल्य मणि के रूप में आज भी प्रसिद्ध हैं। छत्रपति साहू महाराज ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने राजा होते हुए भी दलित और शोषित वर्ग के कष्ट को समझा और सदा उनसे निकटता बनाए रखी। उन्होंने दलित वर्ग के बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू की थी। गरीब छात्रों के छात्रावास स्थापित किये और बाहरी छात्रों को शरण प्रदान करने के आदेश दिए। साहू महाराज के शासन के दौरान 'बाल विवाह' पर ईमानदारी से प्रतिबंधित लगाया गया। उन्होंने अंतरजातीय विवाह और विधवा पुनर्विवाह के पक्ष में समर्थन की आवाज उठाई थी। इन गतिविधियों के लिए महाराज साहू को कड़ी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। साहू महाराज ज्योतिबा फुले से प्रभावित थे और लंबे समय तक 'सत्य शोधक समाज', फुले द्वारा गठित संस्था के संरक्षण भी रहे।

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंट एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHI/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

भारत का आतंक पर कभी न भूलने वाला प्रहार

ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य स्पष्ट था, उन स्थानों को ध्वस्त करना, जहां से भारत में आतंक का बीज बोया जाता है। पहलगाम हमला, जिसमें हमारे निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया गया, उसकी साजिश कहीं और नहीं, पाकिस्तान की फौज, आईएसआई और लश्कर-ए-तैयबा जैसों की सांठगांठ से ही तैयार की गई थी। भारत ने न केवल इस साजिश को समझा बल्कि उसे जड़ से उखाड़ने की भी ठान ली है

-योगेश कुमार गोयल

ऑपरेशन सिंदूर के जरिये भारत ने साबित कर दिया है कि वह अब केवल प्रतिक्रिया देने वाला देश नहीं बल्कि आतंक के स्त्रोतों पर निर्णायक और सर्जिकल प्रहार करने वाला राष्ट्र बन चुका है। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जिस तरह भारत ने सीमा पार स्थित आतंकी ठिकानों पर निशाना साधते हुए ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया, उसने न केवल पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाई बल्कि भारत की नई सैन्य नीति को भी स्पष्ट कर दिया कि अब हम चुप नहीं बैठेंगे बल्कि हम आतंक के जन्मस्थल तक जाएंगे और वहां आग लगाएंगे। यह ऑपरेशन केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, यह उस बदले हुए भारत की घोषणा थी, जो अब बातों से नहीं, बमों से जवाब देता है, जो कूटनीति की किताब बंद करके अब अपने लड़ाकू विमानों और मिसाइलों की बोली में संवाद करता है। भारतीय वायुसेना ने जब पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर में घुसकर आतंकियों के अड्डों पर सर्जिकल स्ट्राइक की तो यह महज जवाबी हमला नहीं था, यह स्पष्ट संदेश था कि भारत अब किसी आतंकी की मांद को भी सुरक्षित नहीं छोड़ेगा, चाहे वह सरहद के इस पार हो या उस पार।

ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य स्पष्ट था, उन स्थानों को ध्वस्त करना, जहां से भारत में आतंक का बीज बोया जाता है। पहलगाम हमला, जिसमें हमारे निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया गया, उसकी साजिश कहीं और नहीं, पाकिस्तान की फौज, आईएसआई और लश्कर-ए-तैयबा जैसों की सांठगांठ से ही तैयार की गई थी। भारत ने न केवल इस साजिश को समझा बल्कि उसे जड़ से उखाड़ने की भी ठान ली है। इस ऑपरेशन में भारतीय वायुसेना ने जिस साहस, रणनीति और सटीकता का परिचय दिया, वह दुनिया के किसी भी शीर्ष सैन्य बल को चुनौती देने के लिए पर्याप्त है। पाकिस्तान हमेशा से ही दोहरी भूमिका निभाता रहा है, एक ओर वह अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर शांति और वार्ता की बात करता है तो दूसरी ओर अपने क्षेत्र को आतंकियों के प्रशिक्षण केंद्र के रूप में प्रयोग करता है। भारत ने अब उस नकाब को पूरी तरह नोच फेंका है। ऑपरेशन सिंदूर ने बता दिया कि भारत अब उन भाषणों या प्रस्तावों से संतुष्ट नहीं होगा, जो संयुक्त राष्ट्र में दिए जाते हैं बल्कि उन बंकरों को नेस्तनाबूद करेगा, जहां से ये षड्यंत्र जन्म लेते हैं।

भारत द्वारा यह कार्रवाई अचानक नहीं की गई बल्कि पहले खुफिया एजेंसियों के माध्यम से आतंकियों की गतिविधियों की पूरी जानकारी जुटाई गई। सैटेलाइट इमेजिंग, मानव खुफिया नेटवर्क और तकनीकी निगरानी के जरिये भारत को यह स्पष्ट हो गया था कि पाक अधिकृत कश्मीर में कुछ स्थान आतंकियों के लांच पैड के रूप में कार्य कर रहे हैं। यह भी सामने आया कि हालिया पहलगाम हमले की योजना भी यहीं से बनाई गई थी। भारत की यह नीति अब हिट ऐंड होल्ड की है कि हमला करो, कब्जा करो और दबाव बनाए रखो। इस ऑपरेशन में सबसे प्रभावशाली बात यह रही कि भारतीय लड़ाकू विमानों ने रात के अंधेरे में बेहद सटीकता से अपने लक्ष्य साधे और सीमित समय में वहां से निकल आए। यह नो वॉर्निंग, नो वॉर रणनीति का आदर्श उदाहरण था। पाकिस्तान के वायु रक्षा तंत्र को भनक तक नहीं लगी और जब तक वहां के सैन्य प्रतिष्ठान कुछ समझ पाते, तब तक भारत अपना काम करके वापस लौट चुका था। इस ऑपरेशन में केवल आतंकी ठिकानों को ही नहीं, उन ठिकानों को भी निशाना बनाया गया, जहां से उन्हें रसद, हथियार और प्रशिक्षण दिया जाता था। यह केवल आतंकियों के खिलाफ नहीं बल्कि आतंक को संरक्षण देने वाली पूरी पाकिस्तानी सैन्य और खुफिया संरचना के खिलाफ कार्रवाई थी। यही कारण है कि पाकिस्तान के राजनीतिक और सैन्य गलियारों में इस ऑपरेशन के बाद सन्नाटा छा गया। हालांकि पाकिस्तान की प्रतिक्रिया पूर्वानुमेय थी, पहले इन्कार, फिर विक्टिम कार्ड खेलना और अंत में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से गुहार लगाना लेकिन अब वैश्विक परिदृश्य बदल चुका है। अमेरिका, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अन्य लोकतांत्रिक देश भारत के साथ खड़े हैं। आतंक के प्रति उनकी नीति अब स्पष्ट है कि जो आतंक को शरण देगा, वह खुद सुरक्षित नहीं रहेगा। इसीलिए, भारत द्वारा किए गए इस ऑपरेशन को विश्वभर में नैतिक समर्थन और वैधता प्राप्त हुई है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि ऑपरेशन सिंदूर का सैन्य पक्ष जितना शक्तिशाली था, उतनी ही मजबूत उसकी कूटनीतिक तैयारी भी थी। भारत ने पहले ही अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के आतंक समर्थक चेहरे को उजागर कर दिया था। एफएटीएफ जैसे मंचों पर पाकिस्तान की असफलताएं जगजाहिर हैं। ऐसे में भारत का यह सैन्य कदम उस लंबे कूटनीतिक संघर्ष का परिणामी वार था, जिसे वर्षों से संजोया जा रहा था। ऑपरेशन सिंदूर ने यह भी दिखा दिया कि भारत अब केवल एलओसी तक सीमित नहीं है। यदि आवश्यक हुआ तो भारत नियंत्रण रेखा पार करके भी अपने हितों की रक्षा कर सकता है। यह नीति पाकिस्तान के लिए स्पष्ट चेतावनी है कि यदि उसने अब भी अपने घर में पल रहे आतंकी सांपों को दूध पिलाना बंद नहीं किया तो अगली बार भारत उनके बिलों तक पहुंचेगा और उन्हें वहीं खत्म करेगा। यह भी उल्लेखनीय है कि भारत की सैन्य क्षमता अब केवल परंपरागत युद्धों तक सीमित नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर में जिन हथियारों और तकनीकों का उपयोग किया गया, उनमें राफेल जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमान, ड्रोन निगरानी, रियल टाइम सैटेलाइट डेटा और बंकर भेदी बम शामिल थे। यह सब कुछ दर्शाता है कि भारत अब एक आधुनिक, आक्रामक और निर्णायक सैन्य शक्ति बन चुका है।

पाकिस्तान की अब तक की रणनीति यही रही है कि वह भारत के धैर्य की परीक्षा लेता रहे और भारत केवल विरोध या चेतावनी तक सीमित रहे लेकिन अब वह दौर समाप्त हो गया है। भारत ने बता दिया है कि वह न केवल जवाब देगा बल्कि ऐसा जवाब देगा, जो आतंकिस्तान को अगली साजिश रचने से पहले सौ बार सोचने पर विवश करेगा। आतंक को बढ़ावा देना अब पाकिस्तान के लिए केवल एक रणनीति नहीं, आत्मघाती कदम बन चुका है। भारत ने साबित कर दिया है कि अब न केवल सीमा की सुरक्षा करेगा बल्कि आवश्यकता पड़ी तो आतंकी नेटवर्क की जड़ों तक जाकर प्रहार करेगा। यह केवल सैन्य नीति नहीं बल्कि नई भारतीय आत्मा की आवाज है, जो शांति तो चाहती है लेकिन डरती नहीं, जो प्रेम में तो विश्वास करती है लेकिन पराजय में नहीं।

ऑपरेशन सिंदूर अब एक ऐसा उदाहरण बन गया है, जो यह बताता है कि आतंक से अब डायलॉग से नहीं, डायनामाइट से निपटना है। भारत ने यह प्रमाणित कर दिया है कि वह किसी भी कीमत पर अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, चाहे उसके लिए कितनी भी बड़ी कार्रवाई क्यों न करनी पड़े। आज भारत के पास रक्षात्मक नहीं, आक्रामक कूटनीति है। अब हम इंतजार नहीं करते कि दुश्मन कब वार करे बल्कि अब हम तय करते हैं कि कब, कहां और कैसे प्रहार करना है। यह बदलाव केवल सरकार की नीति में ही नहीं, देश की चेतना में भी है और यही चेतना ऑपरेशन सिंदूर की असली ताकत है। अब यदि पाकिस्तान यह सोचता है कि वह फिर किसी नए हमले की योजना बनाकर भारत को अस्थिर कर देगा तो उसे भली-भांति समझ लेना चाहिए कि ऑपरेशन सिंदूर तो केवल शुरूआत है, अब हर आतंकी ठिकाने के लिए भारत के पास ऐसा जवाब है, जो न केवल आतंकियों के ठिकानों बल्कि समूचे पाकिस्तान का नाम ही विश्व के मानचित्र से गायब कर सकता है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भारत ने आर्थिक प्रगति के बल पर आतंकवादी ठिकानों को किया नेस्तनाबूद

भारतीय अर्थव्यवस्था आज भी विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। विश्व के लगभग समस्त वित्तीय संस्थान भारत के संदर्भ में यह भविष्यवाणी करते हुए दिखाई दे रहे है कि आगे आने वाले कई दशकों तक भारत इसी प्रकार विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहेगा

-प्रहलाद सबनानी

भारत ने अंततः पाकिस्तान के कई आतंकवादी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर ही दिया। भारत के इस कठोर कदम से भारतीय नागरिकों को संतुष्टि मिली है, विशेष रूप से उन परिवारों को जिन्होंने हाल ही में कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों के हमले में अपने सगे सम्बन्धियों को खोया है। विश्व के लगभग समस्त देशों ने भारत के इस कदम का समर्थन ही किया है क्योंकि आतंकवादियों से अपने देश के नागरिकों की रक्षा करना किसी भी देश की सरकार का प्रथम कर्तव्य है। भारत को पाकिस्तान स्थित आतंकवादी ठिकानों पर हमले करने का साहस कहां से मिलता है। यह मिलता है भारतीय नागरिकों की एकजुटता से, वर्तमान केंद्र सरकार पर देश के नागरिकों का भरपूर विश्वास है एवं वह यह सोचती है सही समय पर एवं सही स्थान पर भारतीय सेना आतंकवादियों पर हमला करके अपने नागरिकों के मारे जाने का बदला जरूर लेगी। दूसरे, संभवतः भारत की लगातार मजबूत हो रही आर्थिक स्थिति से भी केंद्र सरकार को कठोर निर्णय लेने का बल मिलता है। इस संदर्भ में, हाल ही में अच्छी खबर यह आई है कि भारत जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चोथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है एवं संभवतः वर्ष 2026 के अंत तक जर्मनी की अर्थव्यवस्था को भी पीछे छोड़ते हुए भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था आज भी विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। विश्व के लगभग समस्त वित्तीय संस्थान भारत के संदर्भ में यह भविष्यवाणी करते हुए दिखाई दे रहे है कि आगे आने वाले कई दशकों तक भारत इसी प्रकार विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहेगा। भारत ने पिछले 10/11 वर्षों के दौरान वित्तीय क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रमों को लागू किया है। जिसका परिणाम स्पष्ट रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। माह अप्रेल 2025 में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण नित नई ऊंचाईयां छूते हुए 2.37 लाख करोड़ रुपए के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गया है। यह सब देश के नागरिकों द्वारा अप्रत्यक्ष करों के नियमों का अनुपालन करने के चलते सम्भव हो पा रहा है। अप्रेल 2025 माह में ही फैक्ट्री उत्पादन के मामले में पिछले 10 माह के उच्चत्तम स्तर को पार किया गया है। आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत अमेरिकी डॉलर की तुलना में तेजी से बढ़ती जा रही है और यह अपने पिहले 7 माह के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गई है। और तो और, सरकारी उपक्रमों एवं निजी कम्पनियों की लाभप्रदता में भी भारी सुधार देखने में आ रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान भारतीय स्टेट बैंक ने 70,901 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। इसी प्रकार, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 69,621 करोड़ रुपए, एचडीएफसी बैंक ने 64,062 करोड़ रुपए, ओएनजीसी ने 49,221 करोड़ रुपए, टाटा कंसल्टैंसी सर्विसेज लिमिटेड ने 45,908 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक ने 44,256 करोड़ रुपए, इंडियन आइल कॉर्पोरेशन ने 41,729 करोड़ रुपए, लाइफ इन्शुरन्स कॉर्पोरेशन ने 40,915 करोड़ रुपए, कोल इंडिया लिमिटेड ने 37,402 करोड़ रुपए एवं टाटा मोटर्स लिमिटेड ने 31,399 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। आपको ध्यान में होगा कि आज से कुछ वर्ष पर तक केंद्र सरकार को कई सरकारी उपक्रमों को चलायमान बनाए रखने के लिए लाखों करोड़ रुपए की सहायता केंद्रीय बजट के माध्यम से इन सरकारी उपक्रमों की करनी होती थी। आज स्थित एकदम बदल गई है एवं आज ये लगभग समस्त उपक्रम केंद्र सरकार के लिए कमाऊ पूत की भूमिका निभाते हुए नजर आ रहे हैं एवं करोड़ों रुपए का लाभांश केंद्र सरकार को उपलब्ध करा रहे हैं। यह सब केंद्र सरकार द्वारा इन उपक्रमों में सुधार कार्यक्रमों को लागू करने के चलते ही सम्भव हो सका है।

वर्ष 1991 में विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में भारत भयावह स्थिति में पहुंच गया था तथा उस समय भारत के पास केवल 15 दिवस के आयात के बराबर ही विदेशी मुद्रा भंडार बच गया था और भारत को अपने स्वर्ण भंडार को ब्रिटेन के बैंकों में गिरवी रखकर विदेशी मुद्रा भंडार की व्यवस्था करनी पड़ी थी। आज स्थिति इस ठीक विपरीत है आज भारत के पास लगभग एक वर्ष के आयात के बराबर की राशि का विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद है और यह 68,813 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर के ऊपर निकल गया है जो भारत के इतिहास में आज तक के उच्च्तम स्तर के बहुत करीब है। इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत से विभिन्न उत्पादों एवं सेवा क्षेत्र के निर्यात अपने उच्चत्तम स्तर 82,490 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं। जिसके चलते भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में अतुलनीय सुधार होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत से विभिन्न देशों को निर्यात में अभी और सुधार होता हुआ दिखाई देगा क्योंकि भारत ने हाल ही में ब्रिटेन के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है इससे भारत के सेवा क्षेत्र को अत्यधिक प्रोत्साहन मिलने जा रहा है और ब्रिटेन में भारतीय इंजिनीयर एवं डाक्टर के साथ ही अन्य क्षेत्रों में कार्य करने के लिए भारतीयों की मांग में वृद्धि दृष्टिगोचर होगी। अमेरिका के साथ भी भारत का द्विपक्षीय व्यापार समझौता अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है और यूरोपीयन यूनियन देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता दिसम्बर 2025 तक सम्पन्न होने की प्रबल सम्भावना है। इसके बाद भारत से विकसित देशों को निर्यात निश्चित रूप से बढ़ेंगे और इसके चलते बहुत सम्भव है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के निर्यात अपने उच्चत्तम स्तर अर्थात एक लाख करोड़ अमेरिको डॉलर के स्तर को भी पार कर जाएं। यदि ऐसा होता है तो भारत में विदेशी मुद्रा भंडार भी एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर सकते हैं क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें भी कम होती हुई अर्थात लगभग 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर होती हुई दिखाई दे रही हैं जबकि भारत अपने उपयोग का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चे तेल का आयात विभिन्न देशों से करता है। साथ ही, भारत को स्वर्ण के आयात को भी नियंत्रण में रखना होगा। इससे, भारतीय रुपए की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की तुलना में और अधिक मजबूत होगी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई कमी और वर्ष 2025 के खरीफ मौसम के दौरान मौसम विभाग द्वारा की गई सामान्य से अधिक मानसून की भविष्यवाणी के कारण खुदरा कृषि क्षेत्र में मुद्रा स्फीति (महंगाई) की दर मार्च 2025 माह में कम होकर 3.73 प्रतिशत के निचले स्तर पर पहुंच गई है।

वित्तीय वर्ष 2013-14 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार दुगना होकर 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी आगे निकल गया है। इससे भारतीय नागरिकों की आय भी लगभग दुगनी हो गई है एवं गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या में भी भारी कमी दर्ज हुई है। इससे देश के नागरिकों में उत्साह का माहौल जागा है तथा वे एकजुट होकर केंद्र सरकार के आतंकवाद के विरुद्ध लिए जा रहे निर्णयों का भारी समर्थन करते हुए दिखाई दे रहे है। इससे यह सिद्ध हो रहा है कि भारत की आर्थिक क्षेत्र में मजबूती के चलते केंद्र सरकार को भी आतंकवाद के विरुद्ध कड़े निर्णय लेने में कोई हिचक नहीं हो रही है। साथ ही, भारत की लगातार मजबूत हो रही आर्थिक स्थिति के चलते विश्व के अन्य कई देश भी आतंकवाद की लड़ाई में भारत के साथ खड़े नजर आ रहे है। आगे आने वाले समय में भारत की आर्थिक स्थित जितनी अधिक सुदृद्ध होती जाएगी, वैश्विक पटल पर भारत के लिए अन्य देशों का समर्थन और अधिक मजबूत होता जाएगा। और फिर, उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत को अपनी एवं भारतीय नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने का अधिकार भी तो है। भारत की आर्थिक स्थिति जितनी अधिक मजबूत होगी, केंद्र सरकार के सुरक्षा सम्बंधी निर्णय भी उतने ही मजबूत रहेंगे।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

भाई शहबाज को समझाने के लिए लंदन से लौटे नवाज शरीफ, दी खास सलाह

(एजेन्सी)।

पाकिस्तान। पहलगाम हमले और सिंधु जल संधि को निलंबित करने के भारत के फैसले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच, पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने अपने भाई और वर्तमान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को बढ़ते संकट को कम करने के लिए कूटनीतिक दृष्टिकोण को अपनाने की सलाह दी है। पहलगाम हमले के मद्देनजर भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित करने के बाद, नवाज शरीफ अपने भाई प्रधानमंत्री की मदद करने के लिए लंदन से पाकिस्तान लौट आए। उनके आगमन के बाद, द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बताया कि शरीफ ने पीएमएल-एन सुप्रीमो को भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित करने के मद्देनजर राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) की बैठक में लिए गए निर्णयों के बारे में जानकारी देने के बाद पीएमएल-एन सुप्रीमो को कूटनीतिक रूप से तनाव कम करने की सलाह दी थी। ऐसा कहा गया कि शरीफ चाहते हैं कि पीएमएल-एन के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच शांति बहाल करने के लिए सभी उपलब्ध राजनयिक संसाधनों का उपयोग करे, उन्होंने कहा कि वह आक्रामक रुख अपनाने के इच्छुक नहीं हैं।

इससे पहले 2023 में नवाज शरीफ ने भारत के साथ अच्छे संबंधों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा था कि 1999 में उनकी सरकार को इसलिए हटा दिया गया था क्योंकि उन्होंने कारगिल युद्ध का विरोध किया था। द न्यूज इंटरनेशनल के अनुसार नवाज ने कहा था कि पीएमएल-एन ने हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन हमेशा सत्ता से बाहर कर दिया गया। नवाज ने कहा था कि मैं जानना चाहता हूं कि 1993 और 1999 में मेरी सरकारों को क्यों उखाड़ फेंका गया। क्या ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि हमने कारगिल युद्ध का विरोध किया था। नवाज शरीफ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री थे, जब 12 अक्टूबर 1999 को तख्तापलट के जरिए उनकी सरकार गिरा दी गई थी। पिछले साल नवाज ने यह भी माना था कि पाकिस्तान ने 1999 में भारत के साथ हुए समझौते का 'उल्लंघन' किया था। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा था कि 28 मई 1998 को पाकिस्तान ने पांच परमाणु परीक्षण किए।

साना हवाई अड्डा पर तबाही, हूती ने खाई इजरायल से बदले की कसम

(एजेन्सी)।

यमन के हूती नियंत्रित राजधानी सना में हवाई अड्डे पर इजरायल के हमले में टर्मिनल भवन तबाह हो गए हैं और खबर है कि करीब 500 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। इस बात की जानकारी इसके निदेशक की ओर से दी गई। इससे पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान में कहा गया था कि इजरायली हमलों में ज्यादा नुकसान होने के बाद हवाई अड्डा अगली सूचना तक सभी उड़ानों को निलंबित कर रहा है। इजराइली सेना ने बताया कि बल द्वारा यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को निशाना बनाकर किये गये हवाई हमलों में राजधानी सना में देश का मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पूरी तरह से तबाह हो गया। सेना ने यह भी बताया कि हवाई हमलों से क्षेत्र में कई बिजली संयंत्रों को नुकसान पहुंचा है।

इजराइली टेलीविजन पर प्रसारित फुटेज में सना के प्रभावित क्षेत्रों में धुएं का घना काला गुबार उठता हुआ देखा जा सकता है। सोशल मीडिया पर प्रसारित कथित वीडियो में सना के आसपास हमले होते हुए और इनमें विस्फोट की आवाज के साथ काला धुआं उठता हुआ देखा जा सकता है। इजराइल ने यमन में विद्रोहियों को निशाना बनाकर दो दिनों में दूसरी बार हवाई हमले किये। रविवार को इजराइल के हवाई अड्डे पर मिसाइल हमले के जवाब में यह हमला किया गया था।

बता दें कि इजराइल की सेना ने यमन में लाल सागर के किनारे स्थित होदेदा शहर में हूती विद्रोहियों के खिलाफ हवाई हमले किए। यह हमला ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों द्वारा इजराइल के मुख्य हवाई अड्डे पर मिसाइल दागे जाने के एक दिन बाद किया गया। हूती विद्रोहियों के मीडिया कार्यालय ने कहा कि अमेरिका और इजराइल ने सोमवार दोपहर कम से कम छह हमले किए, जो महत्वपूर्ण होदेदा बंदरगाह को निशाना बनाकर किए गए। विद्रोहियों ने कहा कि अन्य हमलों में होदेदा प्रांत के बाजिल जिले में एक सीमेंट फैक्टरी को निशाना बनाया गया।

बॉलीवुड में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर फिल्म बनाने की होड़

(एजेन्सी)।

पहलगाम पर हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर का बॉलीवुड की कई हस्तियों ने समर्थन किया है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, 15 फिल्म निमार्ता और बॉलीवुड स्टूडियो ऑपरेशन सिंदूर शीर्षक को पंजीकृत कराने के लिए दौड़ रहे हैं। फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज के अध्यक्ष बीएन तिवारी ने प्रकाशन से इसकी पुष्टि की है। रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 15 फिल्म निमार्ताओं और स्टूडियो ने इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (फिल्म शीर्षकों के पंजीकरण की दिशा में काम करने वाली एसोसिएशनों में से एक) में अपने आवेदन भरे हैं।

फिल्म निमार्ताओं ने महज दो दिन में 30 से अधिक शीर्षक पंजीकृत कराने के लिए आवेदन दे दिए हैं। पंजीकरण के लिए दिए गए आवेदनों में ऑपरेशन सिंदूर, मिशन सिंदूर और सिंदूर : द रेवेंज सहित अन्य शीर्षक शामिल हैं। जम्मू कश्मीर में 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के प्रतिशोध में, भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार देर रात ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर और लश्कर-ए-तैयबा का अड्डा मुरीदके शामिल हैं। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे। ऑपरेशन सिंदूर जारी है।

इस बीच, भारतीय मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (आईएमपीपीए), भारतीय फिल्म और टेलीविजन प्रोड्यूसर्स काउंसिल (आईएफटीपीसी) और वेस्टर्न इंडिया फिल्म प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (डब्ल्यूआईएफपीए) को ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े फिल्म शीर्षक के पंजीकरण के लिए ढेरों आवेदन मिले हैं।

आईएमपीपीए के सचिव अनिल नागरथ ने बताया, हमें 30 से ज्यादा शीर्षकोंके आवेदन मिले हैं। यह संख्या 50-60 तक पहुंच सकती है। ज्यादातर लोग ऑपरेशन सिंदूर और मिशन सिंदूर नाम के लिए आवेदन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति एक से अधिक शीर्षक के लिए आवेदन कर सकता है, लेकिन जो पहले आवेदन करता है, वही शीर्षक पाता है।

भारत-पाकिस्तान तनाव से बाजार प्रभावित

(एजेन्सी)।

भारत की सीमा पर पाकिस्तान के साथ तनाव देखने को मिल रहा है। इस तनाव की स्थिति का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी हो रहा है। शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार लाल निशान पर खुला है। शुरूआती कारोबार में ही निफ्टी 50 और सेंसेक्स में गिरावट हुई है।

निफ्टी 50 में 700 अंक और सेंसेक्स में 500 अंक की गिरावट आई है। ये गिरावट पाकिस्तान द्वारा गुरुवार रात को की गई गोलीबारी के बाद देखने को मिली है। पाकिस्तान के कदम का भारत ने भी जोरदार तरीके से जवाब दिया है। इस दौरान पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और पंजाब में कई जगहों पर ड्रोन और मिसाइलें दागीं। लाल निशान पर शेयर बाजार कारोबारी सप्ताह के अंतिम दिन खुला हैkपाकिस्तान की थल सेना ने एलओसी और अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पार से भारत पर गोलीबारी की है। वहीं इस कदम के बाद शेयर बाजार पर भी इस तनाव का असर देखने को मिला। सुबह सेंसेक्स 600 अंक नीचे आ गया था और निफ्टी 50 में भी 190 अंक की गिरावट आई थी। वहीं पाकिस्तान के लिए गुरुवार का दिन काफी निराशाजनक साबित हुआ है। पाकिस्तान का शेयर बाजार इस दिन 6000 अंक नीचे गिर गया था।

मनीकंट्रोल की रिपोर्ट की मानें तो भारत में बाजार में आई गिरावट के बाद भी रक्षा क्षेत्र के शेयर हरे निशान पर कारोबार कर रहे है। जानकारी के मुताबिक पारस डिफेंस में 3.52 प्रतिशत, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) में 1.6 प्रतिशत, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) में 2.28 प्रतिशत, जेन टेक्नोलॉजीज में लगभग 4.99 प्रतिशत और मझगांव डॉक में भी लगभग 0.85 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

दर्शकों को लौटाए जा रहे टिकट के पैसे

(एजेन्सी)। आईपीएल 2025 एक हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया गया है। इसके चलते 9 मई को लखनऊ में होने वाला आरसीबी और लखनऊ सुपर जायंट्स का मैच भी स्थगित हो गया है। इसके बाद आरसीबी और एलएसजी मैच के टिकटों के पैसे लौटाए जा रहे हैं। लखनऊ से मिली जानकारी के मुताबिक आज और स्टेडियम के सभी गेट बंद कर दिए गए हैं। इसके अलावा सभी 10 फ्रेंचाइजी और प्रमुख हितधारकों को इस फैसले के बारे में सूचित कर दिया गया है। बता दें कि, भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते सैन्य टकराव के कारण आईपीएल को शुक्रवार को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया। बीसीसीआई ने कहा कि जब देश आतंकी हमले का जवाब देने के साथ सरहद पार से अनुचित आक्रमण का सामना कर रहा है। ऐसे में राष्ट्रहित सर्वोपरि है। जम्मू और पठानकोट में हवाई हमले की चेतावनी के बाद धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच गुरुवार का मैच बीच में रद्द होने के बाद से मौजूदा आईपीएल के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे थे। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक विज्ञप्ति में कहा कि बीसीसीआई ने आईपीएल के बाकी मैच तुरंत प्रभाव से एक हफ्ते के लिए स्थगित करने का फैसला किया है। पहले ये बताया गया था कि आईपीएल अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि नए कार्यक्रम और टूर्नामेंट के आयोजन के बारे में सूचना समय आने पर दी जाएगी। इससे पहले संबंधित अधिकारियों और हितधारकों के साथ हालात की व्यापक समीक्षा की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने बेगूसराय में खेलो इंडिया यूथ गेम्स का लिया जायजा, प्रतिभागी खिलाड़ियों का किया उत्साहवर्धन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मिन्टू कुमार

पटना। मुख्यमंत्री बिहार, नीतीश कुमार द्वारा बेगूसराय जिले के तेघड़ा प्रखंड स्थित यमुना भगत खेल स्टेडियम में चल रहे खेलो इंडिया यूथ गेम तहत आयोजित फुटबॉल मैच में शामिल होते हुए खेल परिसर का मुआयना करते हुए खिलाड़ियों से मुलाकात किया गया।

सर्वप्रथम मुख्यमंत्री द्वारा पटना से हेलीकॉप्टर द्वारा तेघड़ा अनुमंडल परिसर में बने हैलीपैड में उतरे, जहां से सड़क मार्ग से यमुना भगत खेल स्टेडियम तेघड़ा पहुंचे। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में युमना भगत खेल स्टेडियम तेघड़ा में ग्रुप बी के महिला वर्ग आंध्रप्रदेश एवं हरियाणा के बीच आयोजित फुटबाल मैच में मुख्यमंत्री शामिल हुए।

कार्यक्रम में खेल मंत्री सुरेंन्द्र मेहता एवं जिला पदाधिकारी द्वारा मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह एवं खेलो इंडिया कीट भेट कर उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा दोनों टीमों के खिलाड़ियां से परिचय प्राप्त कर खिलाड़ियों से बातचीत की एवं उनका उत्साह वर्द्धन किया। मुख्यमंत्री ने स्टेडियम परिसर का भ्रमण कर विभिन्न राज्यों से आये खिलाड़ियां से हाथ मिलाकर अभिनंदन किया।

इस अवसर पर केन्द्रीय कपड़ा मंत्री गिरीराज सिंह, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन सह केन्द्रीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, राजस्व एवं भूमि सुधार सह बेगूसराय जिले के प्रभारी मंत्री संजय सरावगी, खेल मंत्री सुरेन्द्र मेहता, विधायक राजकुमार सिंह, पूर्व मंत्री मंजू वर्मा, बीहट मुख्य पार्षद बबीता देवी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, सामान्य प्रशासन सह खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ वी राजेंद्र, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, बेगूसराय के पुलिस उपमहानिरीक्षण आशीष भारती, जिला पदाधिकारी तुषार सिंगला, पुलिस अधीक्षक मनीष सहित अन्य व्यक्ति एवं परीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

बाल विवाह रोकने में धर्मगुरुओं का मिला रहा साथ

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इन्तजार हुसैन

बदायूं। जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन एलायंस के सहयोग से संस्था काशी समाज शिक्षा विकास संस्थान जनपद में बाल विवाह, बाल श्रम एवं बाल यौन शोषण पर विभिन्न माध्यमों से जागरूकता का कार्य कर रही हैं।

बाल विवाह को पूरे देश से समाप्त करने के लिए जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन के 277 सहयोगी संस्थाएं जो की बाल संरक्षण एवं बाल अधिकारों पर देश के 416 जनपदों में कार्य कर रही हैं। जनपद बदायूं में काशी समाज शिक्षा विकास संस्थान द्वारा बाल विवाह को समाप्त करने के लिए विभिन्न माध्यमों से जागरूकता का कार्य किया जा रहा है। संस्था द्वारा जनपद के प्रमुख मंदिरों, गुरुद्वारा, चर्च, मस्जिद के आस पास में बाल विवाह को रोकने के लिए फ्लेक्स लगाए गए हैं जहां पर उपस्थित धार्मिक प्रबंधक एवं उपस्थित समुदाय द्वारा शपथ लिया गया।

फ्लैक्स में संदेश दिया जा रहा है कि सावधान! यहां बाल विवाह नहीं होता है 18 साल से कम उम्र की लड़की और 21 साल से कम उम्र के लड़के की शादी कानूनी रूप से अपराध है।

जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन की सहयोगी संस्था काशी समाज शिक्षा विकास संस्थान के सचिव मीना सिंह ने बताया कि बाल विवाह को रोकने के लिए सभी धर्म और समुदाय को मिलकर कार्य करने की जरूरत है सभी से अपील किया कि अपने बच्चों की शादी बालिग होने पर ही करें। अगर कहीं पर भी बाल विवाह हो रहा हो तो संस्था के नंबर पर एवं चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर सूचित करें। इसी क्रम में काजी ए जिला की ओर से मदरसा आलिया कादरिया के प्रिंसिपल एवं खानकाह आलिया कादरिया के प्रवक्ता मुहम्मद तनवीर साहब और जामा मस्जिद शम्सी के सेक्रेटरी एवं नकविया गर्ल्स इंटर कॉलेज के प्रबंधक सलमान साहब ने जनपद के लोगों खासतौर से मुस्लिम समाज के लोगों से अपील की कि वे अपने बच्चों की शादी शासन द्वारा दी गई गाइड लाइन के हिसाब से बालिग होने पर ही करें। इस्लाम में नाबालिग बच्चों की शादी का चलन वैसे भी नहीं है। फिर भी ध्यान रखें लड़की की शादी 18 वर्ष और लड़के की शादी 21 साल की उम्र से पहले न करें। इससे पूर्व काशी समाज शिक्षा विकास संस्थान के सचिव मीना सिंह ने उक्त लोगों को धार्मिक ग्रंथ कुरआन शरीफ पेश कर सम्मानित किया। इस कार्य में विशेष रूप से देवेंद्र, गंगा सिंह आदि का सहयोग रहा।

न्यायालय ने हत्या मामले में अभियुक्त को दिया दोषी करार

23 मई को सजा के बिंदु पर होगी सुनवाई

संजना भारती संवाददाता

दलसिंहसराय (समस्तीपुर)। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश शशिकांत राय के न्यायालय ने शुक्रवार को हत्या के एक मामले में विद्यापतिनगर थानांतर्गत बाजिदपुर दानी टोल निवासी सुरेन्द्र साह, उपेन्द्र साह, कारी शाह एवं मनोज साह को सुनवाई के दौरान धारा 302/149 भादवि के अंतर्गत दोषी पाया वहीं अभियुक्त फुलिया देवी, सुनैना देवी, ललिता देवी, तिला देवी, रिंकू देवी को धारा 307/149 के अंतर्गत दोषी पाते हुए बंधपत्र खंडित कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया।

घटना के संबंध में एपीपी अरुण कुमार सिन्हा ने बताया कि विद्यापतिनगर थानांतर्गत बाजिदपुर दानी टोल निवासी राजेन्द्र राय की पत्नी जगतारिणी देवी ने पुलिस के समक्ष बयान दिया कि दिनांक 5 जुलाई 2004 की शाम 7:30 बजे अभियुक्त सुरेन्द्र प्रसाद साह उर्फ शोले साह सूचिका के पूरे परिवार को भद्दी भद्दी गाली देने लगा जब इनकी पतोहु गाली देने से मना किया तो सभी अभियुक्तगण ने अपने अपने हाथ में लाठी डंडा, ईंट का टुकड़ा लेकर सूचिका को तथा सूचिका की पतोहु को लाठी डंडा से मारने लगा जब बचाने आए सूचिका के पति राजेन्द्र राय आए तो उन्हें अभियुक्तगण लाठी डंडा ईंट से मारकर जमीन में गिरा दिया तथा घसीटते हुए दरवाजा पर ले जाकर लाठी डंडा से मारकर गंभीर रूप से जख्मी कर बेहोश कर दिया तथा सूचिका के पुत्र राम पुकारा राय जब बचाने आए तो उन्हें भी सभी अभियुक्तगण लाठी डंडा से मारकर हत्या करने का प्रयास किया और राजेन्द्र राय को मरा समझकर उनके दरवाजे से घसीटते हुए सड़क के पश्चिम गड्ढा में अभियुक्तों ने फेक कर भाग गया। इलाज की व्यवस्था कर ही रहे थे कि इसी बीच जख्मी राजेन्द्र राय की मौत हो गई।

घटना को लेकर अभियुक्तों के विरुद्ध विद्यापतिनगर थाना कांड संख्या 40/2004 दर्ज किया गया। राज्य की ओर से एपीपी अरुण कुमार सिन्हा सूचक की ओर से अधिवक्ता यशवंत कुमार एवं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता अमलेंदु भूषण सिन्हा ने अपना अपना दलील दिया। दोनों पक्षों के दलील सुनने एवं वाद की सुनवाई करते हुए न्यायालय ने धारा 302/149 भादवि के तहत अभियुक्त सुरेन्द्र साह, उपेन्द्र साह, कारी शाह एवं मनोज साह को दोषी करार दिया वहीं अभियुक्त फुलिया देवी, सुनैना देवी, ललिता देवी, तिला देवी, रिंकू देवी को धारा 307/149 भादवि के अंतर्गत दोषी पाते हुए सभी अभियुक्तों का बंधपत्र खंडित कर न्यायिक अभिरक्षा में लेते हुए जेल भेज दिया सजा के बिंदु पर आगामी 23 मई 2025 को सुनवाई होगी।

अधिवक्ताओं ने की एडवोकेट आर्मी की तैयारी

हर प्रकार की कुर्बानी के लिए अधिवक्ता हैं तैयार

एसबी संवाददाता

वाराणसी। बनारस बार के पुर्व महामंत्री नित्यानंद राय ने सेंट्रल बार के सभागार में पिछले दिनों में किये गये घोषणा के अनुरूप एडवोकेट आर्मी बनाने की शुरूआत कर दी है। भारी संख्या में अधिवक्ता ना सिर्फ मानसिक रूप से बल्कि लिखित रूप से राय के इस विचार को समर्थन दिया है।

अधिवक्ता कमलेश यादव ने कहा कि हम देश की सेना को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष किसी भी रूप में मदद करने के विचार से ही रोमांचित हैं। अधिवक्ता अजय शर्मा, नागेश पांडेय, राघवेन्द्र राय, मदन मोहन पांडे, सुर्य प्रकाश, राकेश श्रीवास्तव, अभिषेक सिंह, संतोष सिंह, ब्रजेश दीक्षित, विशाल सिंह, सत्येन्द्र श्रीवास्तव, अंकित गुप्ता, संतोष गुप्ता, अजय शर्मा, राजन पांडे, अनुराग द्विवेदी, सुरज चौबे, शशीकमल, प्रवेश सिंह रजनीश मिश्रा, अरून कुमार सिंह, शशीकांत द्विवेदी समेत बनारस कचहरी के सैकडों अधिवक्ता ने एडवोकेट आर्मी से अपने को जोडने की लिखित सहमति दी है। सहमति देने वालों में महिला अधिवक्ताओं की भी काफी संख्या है, जोजो सिंह, जयश्री पाठक, अनिता सिंह ने कहा इस समय देश भर नागरिक से अपेक्षा कर रहा है और महिला अधिवक्ता देश के लिए सेवा देने में पीछे नहीं रहेगी। सन्तोष मिश्रा तो पाकिस्तान पर मानव बम बनकर शहीद होने के लिए तैयार हैं।

पूर्व महामंत्री नित्यानंद राय ने पहलगाम नरसंहार पर श्रद्धांजली सभा में बोलते हुते बार सभागार में घोषणा किया था कि यदि पाकिस्तान से युद्ध हुआ तो वे वकीलों की आर्मी बनायेंगे और देश व सेना को युद्ध में पुरा सहयोग करेंगे। पूर्व सैनिक रहे अखिलेश पांडेय एडवोकेट ने कहा कि हमारे जैसे दर्जनों वकील कचहरी में रिटायर होने के बाद वकालत कर रहे हैं। जरूरत पड़ी तो वकालत छोड पुनः सीमा पर लड़ने जायेंगे।

टौंस नदीं के पास लगाया गया चेतावनी बोर्ड, सैलानियों से की अपील

संजना भारती संवाददाता
मनोज कुमार बिन्द

कौंधियार। बीते 4 मई को थरवई क्षेत्र के दो युवको की पटपर टौंस नदी में नहाते समय डूबने से मौत हो गई थी।

दूसरे दिन कौंधियार पुलिस व एनडीआरएफ टीम के साथ गोताखोरों ने दोनों युवकों के शव को नदी से बाहर निकाला। स्थानीय लोगो ने बताया की पिछले कई वर्षों से पटपर टौंस नदी में कई सैलानियों ने अपनी जान गंवा दी। जिसको लेकर टौंस नदी के किनारे सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस की तैनाती की गई और सैलानियों की सुरक्षा के कड़े इंतेजाम करते हुये शुक्रवार 9 मई को एसीपी कौंधियारा के दिशानिर्देश के बाद थानाप्रभारी कौंधियारा द्वारा टौंस नदी के किनारे चेतावनी बोर्ड लगाया गया। सैलानियों के सुरक्षा को लेकर पुलिस द्वारा किये गये इस कार्य से क्षेत्र की जनता कौंधियारा पुलिस की सराहना कर रही है।

किसी भी हंगामी स्थिति से निपटने के लिए पंजाब सरकार पूरी तरह तैयार-कटारूचक्क

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़/कलानौर/गुरदासपुर। भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे तनावपूर्ण माहौल के मद्देनजर सरहदी लोगों की सुरक्षा और इमरजेंसी के दौरान किए जाने वाले प्रबंधों तथा अन्य सुविधाओं की तैयारियों का जायजा लेने के लिए राज्य के खाद्य एवं सिविल सप्लाई मंत्री श्री लाल चंद कटारूचक्क और स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह द्वारा आज सरकारी अस्पताल कलानौर और फायर ब्रिगेड कार्यालय गुरदासपुर का दौरा किया गया। इसके उपरांत उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों का जायजा लेने के लिए जिला अधिकारियों के साथ बैठक की।

इस मौके पर उनके साथ आम आदमी के प्रदेश कार्यकारी प्रमुख विधायक श्री अमनशेर सिंह शैरी कलसी, विधायक सरदार गुरदीप सिंह रंधावा, चेयरमैन श्री रमन बहल, जिला शहरी प्रमुख श्री शमशेर सिंह, डिप्टी कमिश्नर श्री दलविंदरजीत सिंह, एस.एस.पी. बटाला श्री सोहेल कासिम मीर, एस.एस.पी. गुरदासपुर श्री आदित्य, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर डॉ. हरजिंदर सिंह बेदी, एस.डी.एम. दीना नगर श्री जसपिंदर सिंह के अलावा सभी विभागों के जिला अधिकारी मौजूद थे।

सबसे पहले कैबिनेट मंत्री श्री लाल चंद कटारूचक्क और कैबिनेट मंत्री डॉ. रवजोत सिंह द्वारा सरकारी अस्पताल कलानौर का दौरा करके वहां इमरजेंसी स्थितियों के मद्देनजर किए गए प्रबंधों का जायजा लिया। इस मौके पर एस.एम.ओ. कलानौर ने बताया कि सी.एच.सी. कलानौर में 38 बेडों की सुविधा उपलब्ध है और इमरजेंसी की सारी सुविधाएं उपलब्ध है। इसके अलावा डेरा बाबा नानक अस्पताल में भी 50 बेडों की सुविधा तथा इमरजेंसी सुविधाएं मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि ब्लड बैंकों में आवश्यक मात्रा में खून की उपलब्धता मौजूद है। इसके बाद दोनों मंत्री जी द्वारा फायर ब्रिगेड कार्यालय गुरदासपुर का दौरा करके वहां आपातकालीन मौके से निपटने के लिए की गई तैयारियों का भी जायजा लिया गया।

इसके बाद जिला प्रबंधन परिसर में कैबिनेट मंत्री श्री लाल चंद कटारूचक्क और कैबिनेट मंत्री डॉ. रवजोत सिंह द्वारा जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक इमरजेंसी परिस्थितियों से निपटने के लिए की गई तैयारियों का जायजा लिया गया। डिप्टी कमिश्नर श्री दलविंदरजीत सिंह ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा भारत सरकार और पंजाब सरकार द्वारा जारी निदेर्शों का पालन करते हुए लोगों की सुरक्षा के लिए सभी प्रबंध पूरे कर लिए गए हैं। जिले में रात के समय ब्लैक-आउट जारी है और लोगों को किसी भी आपातकालीन स्थिति से बचने के लिए मॉक ड्रिल करवाई जा रही है। इस मौके पर उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा की गई अन्य तैयारियों के बारे में विस्तार से बताया।

इस मौके कैबिनेट मंत्री श्री लाल चंद कटारूचक्क ने कहा कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान की अगुवाई में पंजाब सरकार अपने लोगों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान ने अपने कैबिनेट के साथियों को विभिन्न सरहदी जिलों में ड्यूटी लगाई है और इन निर्देशों के तहत ही वे कलानौर और गुरदासपुर के लोगों के पास पहुंचे हैं।

श्री कटारूचक्क ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में पूरा देश एकजुट है और हमें हमारी भारतीय सेना और अपने वीर जवानों पर गर्व है। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ देशवासी भारतीय सेना के साथ हैं। उन्होंने कहा कि जिला गुरदासपुर के बहादुर लोग हमेशा ही जवानों की हिम्मत और हौसले के लिए देश की सेना के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि इस युद्ध की स्थिति में सरहदी क्षेत्र के वासियों के जज्बे को सलाम है जो भारतीय सेना का साथ देने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को अपनी नापाक हरकतों से बाज आना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि पाकिस्तान अभी भी बाज नहीं आया, तो भारत की ओर से इसका मुँह तोड़ जवाब दिया जाएगा।

स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने कहा कि किसी भी आपातकालीन स्थिति का सामना करने के लिए पंजाब सरकार की पूरी तैयारियां हैं और सारी सरकारी मशीनरी को अलर्ट पर रखा गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान सारी स्थिति पर खुद नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में इमरजेंसी स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह तैयार हैं और इसके साथ ही फायर ब्रिगेड समेत सभी इमरजेंसी सेवाएं भी पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को घबराने की बिल्कुल जरूरत नहीं है, सरकार इस कठिन घड़ी में अपने लोगों के साथ खड़ी है।

सीएम के स्वागत में तेघड़ा में उमड़े कार्यकर्ता

एसबी ब्यूरो

तेघड़ा/बेगूसराय। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बेगूसराय जिला के तेघड़ा प्रखंड के खेल गांव में खेलों इंडिया के तहत आयोजित राज्यस्तरीय खेल कार्यक्रम उद्घाटन के लिए पहुंचे जहां पर बछवाड़ा प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष विवेक पटेल ने अपने सैकड़ो कार्यकर्ता के साथ जिला संगठन प्रभारी शिवनंदन सिंह एवं बछवाड़ा विधानसभा प्रभारी धीरेन्द्र प्रसाद सिंह के नेतृत्व में तेघड़ा प्रखंड स्थित हेलीपैड पर माननीय नेता बिहार के विकास पुरुष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का भव्य स्वागत किया। साथ मे जिला संगठन प्रभारी शिवनंदन सिंह, पूर्व बीहट नगर परिषद के मुख्य पार्षद बबीता देवी, पूर्व जिलाध्यक्ष भूमिपाल राय, मटिहानि विधायक राजकुमार सिंह, जिलाध्यक्ष रुदल राय, बछवाड़ा विधानसभा प्रभारी धीरेन्द्र प्रसाद सिंह, मुकेश पासवान, मुखिया श्रीराम राय, सिकंदर कुमार, राहुल कुमार, सन्नी मेहता, अमन आनंद ठाकुर, कुंदन कुनाल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पीपलू में अवैध बजरी परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, तीन वाहन व मोटरसाइकिल जब्त

संजना भारती संवाददाता

टोंक। उपखंड मजिस्ट्रेट पीपलू, पुलिस प्रशासन व खान विभाग की संयुक्त टीम ने अवैध बजरी खनन व परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 3 वाहन (ट्रेलर व डम्पर) और एक मोटरसाइकिल जब्त की। कार्रवाई रात के समय पटवार हल्का डोडवाड़ा व सोहेला क्षेत्र में की गई। उपखंड अधिकारी गणराज बडगौती ने बताया बुधवार रात्रि डोडवाड़ी से 2 व सोहेला से 1 वाहन तथा एक मोटरसाइकिल बजरी परिवहन में लिप्त पाए गए। मौके पर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गए।

वाहनों को पीपलू व बरोनी थाने में खड़ा किया गया है। खनन विभाग द्वारा संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज करवाई गई है। अवैध बजरी खनन व परिवहन पर प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है।बरौनी पुलिस ने अवैध बजरी परिवहन पर कसा शिकंजा, ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त। पीपलू बरौनी थाना पुलिस ने अवैध बजरी परिवहन के

खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जप्त किया है। थाना अधिकारी बृजेंद्र सिंह राठौड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार सुबह चिरौंज गांव के पास से अवैध रूप से बजरी परिवहन कर रहे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा गया।

पुलिस ने तत्काल प्रभाव से ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर अनुसंधान शुरू किया गया उन्होंने बताया कि क्षेत्र में अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ सख्त निगरानी रखी जा रही है और इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

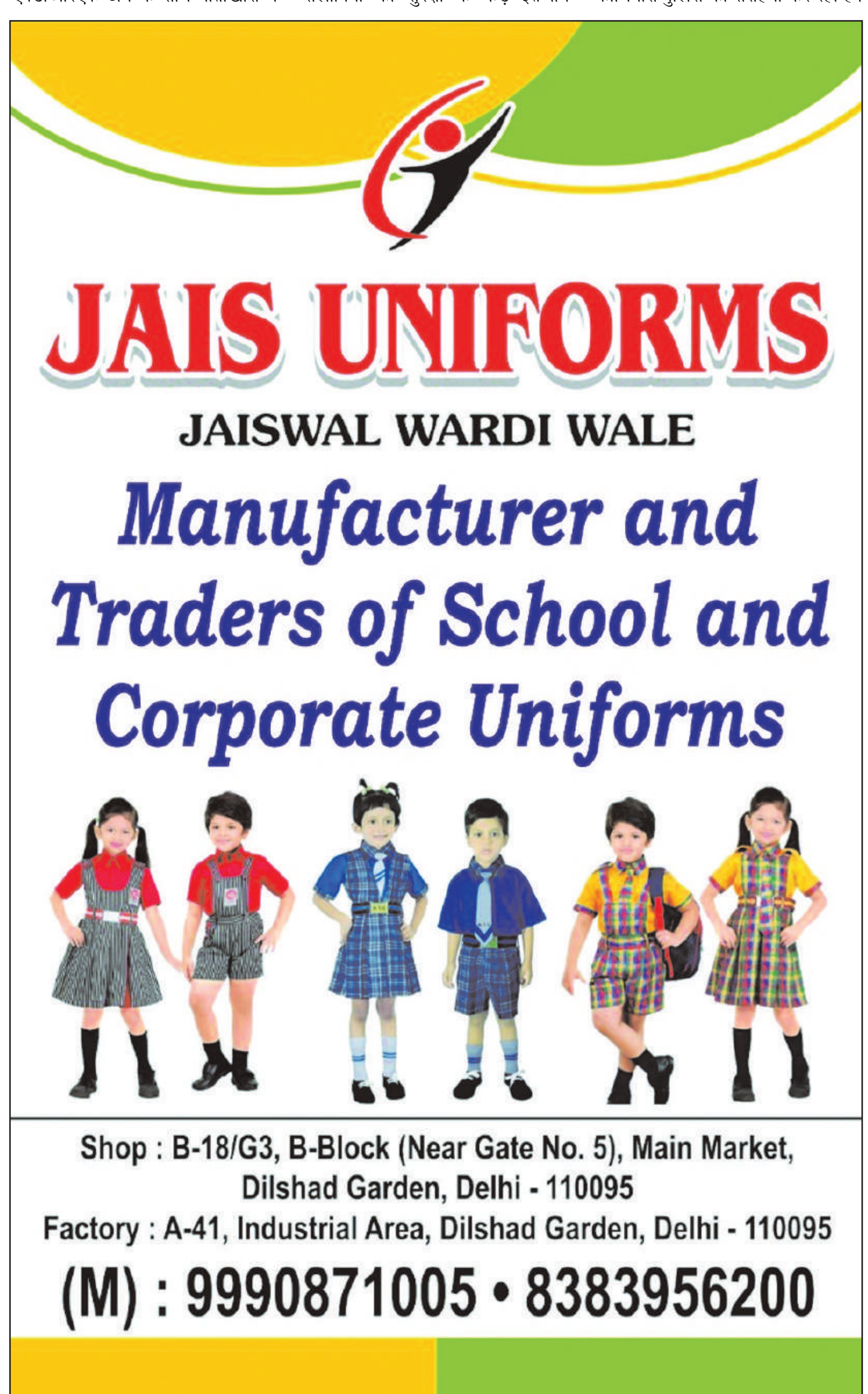

विद्यार्थी 2047 के विकसित भारत के हैं कर्णधार: महीपाल ढांडा

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। प्रदेश के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि आज के विद्यार्थी 2047 के विकसित भारत के कर्णधार हैं। आज जिस विकसित भारत का स्वप्न हम सब देख रहे हैं, उसे पूरा करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होने वाली है। उन्होंने हाल ही में हुए आपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि आज भारत की ताकत को पूरी दुनिया देख रही है। आज का भारत किसी से कम नहीं है।

आज देश का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं, जिनका डंका पूरी दुनिया में बजता है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि देश आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा हैं और विश्व की पांच बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया हैं।

शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा कस्तूरी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा हिसार के मंगाली आकलान में आयोजित शिक्षक व मेधावी छात्र सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति से हमारी शिक्षा व्यवस्था और ज्यादा दुरूस्त होगी। भारत का विचार आज पूरी दुनिया में जा रहा हैं और इस विचार का अनुसरण भी दुनिया के तमाम देश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज हमारा हरियाणा एक अलग पहचान के साथ आगे बढ़ रहा हैं। हर क्षेत्र में हरियाणा के लोग अपना लोहा मनवा रहे हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नलवा के विधायक श्री रणधीर पनिहार ने की। ओलंपिक पदक विजेता रेसलर योगेश्वर दत, महापौर प्रवीण पोपली सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

इस मौके पर 100 से अधिक उत्कृष्ट शिक्षक, मेधावी छात्र व विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ओलंपिक पदक विजेता रेसलर योगेश्वर दत, महापौर प्रवीण पोपली सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

करनाल जिला प्रशासन पूरी तरह से सजग और सतर्क : उत्तम सिंह

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन एवं डीसी करनाल उत्तम सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन पूरी तरह से सजग एवं सतर्क है। आपातकाल परिस्थिति के मद्देनजर जिला प्रशासन की ओर से सभी व्यापक प्रबंध सुनिश्चित करते हुए आमजन को भी नागरिक सुरक्षा तंत्र व राष्ट्रीय सुरक्षा हेतु जागरूक किया जा रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर मौजूदा हालात को देखते हुए डीसी उत्तम सिंह ने आमजन को जागरूक रहने की अपील करते हुए कहा कि वे सोशल मीडिया पर असत्यापित जानकारी पर विश्वास न करें और केवल प्रशासनिक अधिकृत जानकारी पर ही विश्वास रखें।

अपुष्ट जानकारी को न करें सांझा: डीसी-डीसी उत्तम सिंह ने लोगों से अनुरोध किया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर किसी भी प्रकार की बिना अधिकृत अथवा अपुष्ट फोटो, वीडियो अथवा न्यूज को अपने मोबाइल से सोशल मीडिया पर शेयर न करें। साथ ही यदि कहीं कोई ऐसी फेक न्यूज बारे सूचना मिलती है तो उसे अपने माध्यम से आगे प्रचारित न करें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा नियमों की पालना करना सभी के लिए बेहद जरूरी है। कोई भी जानकारी साझा करने से पूर्व उसके तथ्यों की जांच करने सहित केवल प्रशासनिक जानकारी पर ही विश्वास सुनिश्चित करें।

अधिकारी-कर्मचारी आगामी आदेश तक हेडक्वार्टर रखें मेनटेन

डीसी उत्तम सिंह ने राज्य सरकार द्वारा राज्य सरकार/ बोर्ड/ निगम/ विश्वविद्यालय आदि के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को अपने-अपने मुख्यालय/स्टेशन बनाए रखने के आदेश दिए हैं। डीसी ने जिला के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपना मुख्यालय या स्टेशन जिला के अंदर कायम रखते हुए आगामी आदेश तक हेडक्वार्टर मेंटेन रखें।

महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लें युवा पीढ़ी: शमशेर सिंह गोगी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। सालवन रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर महाराणा प्रताप के जीवन और उनके त्याग पर प्रकाश डाला। पूर्व विधायक शमशेर सिंह गोगी व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। शमशेर सिंह गोगी ने कहा कि महाराणा प्रताप के जीवन से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि हमें देश की एकता व अखंडता के लिये कार्य करना चाहिए। हमारे वीर योद्धा आज की युवा पीढ़ी के मार्गदर्शक है। उन्होंने कहा कि युवाओं को महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए।

पूर्व चेयरमैन सुरजीत राणा ने कहा कि महाराणा प्रताप एक सच्चे राष्ट्रभक्त और महान योद्धा थे। उन्होंने अपना सर्वस्व देश के लिए न्योछावर कर दिया। उनकी वीरगाथा की कहानियां भारत में ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व में सुनाई जाती हैं। कांग्रेस नेत्री अधिवक्ता सोनिया बोहत ने कहा कि महाराणा प्रताप ने सर्व समाज को लेकर देश की एकता और अखंडता के लिए जीवन भर कार्य किया। महाराणा प्रताप की वीरता और स्वाभिमान देशवासियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। जितेन्द्र चोपड़ा ने कहा कि महाराणा प्रताप के बलिदान एवं संघर्ष में युवा पीढ़ी को देशभक्ति, साहस की प्रेरणा मिलती है।

युवाओं को उनके दिखाए गए मार्ग पर चलने की जरूरत है। इस अवसर पर युवा अध्यक्ष जतिन बिंदल, मुनिष सिंगला, सोमपाल राणा, रणधीर राणा सहित अन्य मौजूद रहे।

एएसआई से एसआई बने प्रवीन कुमार व बलराज सिंह

संजना भारती संवाददाता

कैथल। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रवीन कुमार व बलराज सिंह को एएसआई से सब इंस्पेक्टर के पद पर प्रमोट होने पर एसपी आस्था मोदी ने स्टार लगा कर सम्मानित किया।

एसपी आस्था मोदी ने स्टार लगा कर किया सम्मानित व उज्जवल भविष्य के लिए दी शुभकामनाएं

एसपी आस्था मोदी ने कहा कि प्रमोशन प्राप्त करने पर पुलिस कर्मचारियों के कंधों पर जिम्मेदारी बढ़ जाती है। क्योंकि प्रमोशन के साथ नई जिम्मेदारी मिलती है। इसलिए इस जिम्मेदारी को ईमानदारी और निष्ठा से निभाना। प्रमोशन पाने वाले एसआई प्रवीन कुमार व एसआई बलराज सिंह ने कहा कि विभाग की ओर से जो भी काम दिया जाएगा उसे पूरी निष्ठा से किया जाएगा।

एसआई प्रवीन कुमार सीआईए-1 में तथा एसआई बलराज बतौर पुलिस चौकी हरनौली इंचार्ज कार्यरत है।

डीएवी पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया मदर्स डे

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। डीएवी पब्लिक स्कूल मदर्स डे बहुत उत्साह व धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के प्रधानाचार्य सुखपाल सिंह मान ने दीप प्रज्वलित करके किया। इस कार्यक्रम में अभिभावकों को भी आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों तथा अभिभावकों ने विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों तथा प्रतियोगिताओं में भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने का काम किया। अभिभावकों द्वारा डांस, भजन, कविता आदि का प्रस्तुतिकरण किया गया जिसने कार्यक्रम में चार चांद लगाने का काम किया। बच्चों नें सांस्कृतिक गतिविधियों, कविता, भाषण, पेंटिंग आदि के माध्यम से मां की महत्वता तथा ममता का गुणगान किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य सुखपाल सिंह मान ने बताया कि मदर्स डे माँ के प्रति कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त करने, मातृत्व का उत्सव मनाने और उनके अथाह त्याग और निस्वार्थ प्रेम को याद करने का अवसर होता है। उन्होंने कहा कि माँ ईश्वर का स्वरूप है तथा माँ का दर्जा ईश्वर से भी ऊपर है। माँ की सेवा करना तथा उनको खुश रखना हमारा परम धर्म है। प्रधानाचार्य ने स्कूल की गतिविधि इंचार्ज रुही वर्मा तथा सभी अध्यापकों को इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने तथा अनुशासन के साथ सफल संचालन करने पर बधाई दी। उन्होंने सभी अभिभावकों का कार्यक्रम मे उपस्थित होने तथा गतिविधियों में भाग लेने के लिए आभार व्यक्त किया। सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रदान करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

आरोही मॉडल सी.सै. स्कूल के सात विद्यार्थियों ने उत्तीर्ण की मिशन बुनियाद परिक्षा: प्राचार्या सुनीता अहूजा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। हरियाणा सरकार की 'मिशन बुनियाद' योजना प्रदेश के सरकारी स्कूलो में कक्षा नवमी में दसवीं में पढ़ रहे विद्यार्थियों के लिए प्रदेश सरकार की बेहतरीन योजना है। यह योजना हरियाणा सरकार ने 2022 में लागू की थी इस योजना के तहत हरियाणा के सरकारी स्कूल में आठवीं कक्षा में पढ़ रहे विद्यार्थी आवेदन करते हैं व तीन स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं को उत्तीर्ण कर मेरिट आधार पर विद्यार्थी का दाखिला "मिशन बुनियाद" योजना में होता है। इस योजना के तहत पढ़ने के लिए विद्यार्थियों के लिए हरियाणा प्रदेश में खंड स्तर पर विशेष क्लास रूम बनाए गए हैं, जिनमें विद्यार्थी ऑनलाइन पढ़ाई करते हैं। इस योजना में सरकार विद्यार्थी को कक्षा नवमी व दसवीं की पढ़ाई के साथ-साथ "सुपर सौ" परीक्षा के लिए विशेष तैयारी करवाती है।

"मिशन बुनियाद" योजना के डायरेक्टर प्रदीप सिंह सैंसरवाल समय-समय पर अपनी टीम के साथ सेमिनार आयोजित कर विद्यार्थियों को इस योजना के तहत पढ़ने के लिए प्रेरित करते रहे हैं। आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने मिशन बुनियाद में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सात विद्यार्थियों ने तीसरे लेवल की परीक्षा पास कर दाखिला के लिए क्वालिफाई कर लिया है। मिशन बुनियाद योजना का लेवल 3 परीक्षा का परिणाम घोषित हो चुका है। इस परीक्षा में आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सौंगरी के सात विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

विद्यालय की प्राचार्या सुनीता अहूजा ने बताया कि इस परीक्षा परिणाम में आरोही स्कूल के विद्यार्थियों ने जिला स्तर व खंड स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है।

प्रथम स्थान पर अंकित पुत्र सुखविंदर ने 25 में से 12 नंबर प्राप्त किए व नव्या पुत्री यश देव ने 10 नंबर प्राप्त करके चौथे स्थान पर रही। इसके अलावा अन्य सफल विद्यार्थियों में आदित्य कुमार शर्मा पुत्र निर्मल कुमार, मन्नत जांगड़ा पुत्री कुलदीप सिंह, अनुष्का पुत्री प्रदीप, अभिराज पुत्र जोगिंदर सिंह व तनिष्क पुत्र जसविंदर सिंह ने यह परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। इस अवसर पर सभी स्टाफ सदस्यों ने विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। प्रिंसिपल सुनीता उज्जैन ने बताया कि हरियाणा सरकार ने 'मिशन बुनियाद' व 'सुपर सौ' योजनाएं हरियाणा प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए बेहतरीन योजनाएं चलाई हुई है।

अभिभावकों को अपने बच्चों का दाखिला सरकारी स्कूलों में करवाना चाहिए। उन्होंने बताया कि उनके विद्यालय के विद्यार्थियों ने सुपर सौ योजना के तहत भी परीक्षाएं दी हुई है। जिसका शानदार परीक्षा परिणाम शीघ्र आने वाला है। उन्होंने बताया कि सुपर सौ योजना में पढ़कर उनके स्कूल के बहुत से विद्यार्थी देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से एमबीबीएस व आईआईटी में दाखिला ले चुके हैं।हरियाणा सरकार की इस शानदार योजना का विद्यार्थियों को लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार, शिक्षा विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों के लिए बेहतरीन योजनाएं बनाने, उनका क्रियान्वयन करने के लिए हमेशा प्रयासरत रहते हैं। जिसका विद्यार्थियों, अभिभावकों को लाभ जरूर उठाना चाहिए।

आपसी सौहार्द और शांति बनाकर रखें आमजन: जगमोहन आनंद

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। विधायक जगमोहन आनंद ने वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर आमजन से अपील करते हुए कहा कि सभी आपसी सौहार्द और शांति बनाकर रखें। कोई भी व्यक्ति किसी भी ऐसी घटना में शामिल न हो, जिससे जिला में कानून व्यवस्था बिगड़े और कोई आपात स्थिति पैदा हो।

विधायक जगमोहन आनंद ने आमजन से यह भी अपील की है कि सोशल मीडिया जैसे फेसबुक, वाट्सएप, इंस्टाग्राम व अन्य किसी सोशल अकाउंट पर किसी तरह का भडकाऊ कंटेट पोस्ट न करें। इसके साथ-साथ इस तरह के किसी कंटेंट को शेयर भी मत करें। उन्होंने कहा कि इसके लिए जिला प्रशासन करनाल द्वारा भडकाऊ पोस्ट पर निरंतर नजर रखी जा रही है। यदि कोई व्यक्ति सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने व शांति भंग करने की कोशिश करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने यह भी अपील की कि आमजन किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, अनजान लिंक से कोई भी वीडियो या फाइल डाउनलोड न करें और न ही उसे आगे साझा करें। उन्होंने इंटरनेट उपयोगकर्ताओं से साइबर हमलों से बचाव के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरतने और सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि सावधानी और जागरूकता ही ऐसे संभावित साइबर हमलों से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है।

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती पर की जलसेवा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। सामाजिक कार्यकर्ता मास्टर महीपाल दूहन, विक्की लुम्बा और मनिंदर पहलवान ने सरकारी हस्पताल के सामने व अन्यत्र स्थान पर पेयजल सेवा करके वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती मनाई। इनके साथ दर्जनों सेवादारों ने आने जाने वाले यात्रियों की पेयजल से सेवा की। सामाजिक कार्यकर्ता मास्टर महीपाल दूहन ने कहा कि हमारी संस्कृति में महापुरुषों का अनुसरण करना एक अभिन्न अंग है उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का पराक्रम अप्रितम था और उनकी भुजाओं में हाथी जैसा बल और बिजली सी गति थी। मनिंदर पहलवान व विक्की लुम्बा ने संयुक्त रूप से कहा कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप स्वतंत्रता के पुजारी, गौरव के रक्षक, आत्माभिमान और वीरता के अवतार थे।

इस अवसर पर मास्टर महीपाल दूहन, विक्की लुम्बा, मनिंदर पहलवान, सौरभ, नरेंद्र सिंधड, नवीन पांचाल, अमृत, पंकज लुम्बा सहित दर्जनों नौजवान पेयजल की सेवा कर रहे थे।

ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ पुलिस सख्त

बुलेट बाइक की मार्फत पटाखे बजाकर दहशत फैलाने वालों पर भी शिकंजा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिला कैथल में ट्रैफिक नियमों की उल्लंघना करने वालों पर एसपी आस्था मोदी के निदेर्शानुसार कड़ी निगरानी की जा रही है। ट्रैफिक एसएचओ एसआई राजकुमार की अगुवाई में ट्रैफिक पुलिस की अलग-अलग टीम बनाकर ट्रैफिक नियमों की उल्लंघना करने वालों के चालान काटे जा रहे है तथा साथ साथ आमजन को ट्रैफिक नियमों की पालना करने बारे भी जागरूक किया जा रहा है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एसपी आस्था मोदी के आदेशानुसार जिला पुलिस द्वारा बुलेट बाइक से पटाखे की आवाज निकालकर क्षेत्र में दहशत पैदा करने वाले तथा मॉडिफाइड साइलेंसर युक्त बुलेट पर विशेष तौर पर पैनी नजर रखी जा रही है। इस दौरान अप्रैल माह दौरान एसी 86 बुलेट बाइको के चालान किए गए है।

प्रवक्ता ने बताया कि अप्रैल माह के दौरान यातायात पुलिस ट्रैफिक नियमों की उल्लंघना करने वालों से काफी सख्ती से पेश आई। माह के दौरान यातायात पुलिस द्वारा ट्रैफिक नियमों की उल्लंघना करने के मामले में 76 इम्पाउंड व्हीकलों सहित कुल 3813 चालान किए गए। गत माह के दौरान पुलिस द्वारा चालको से 24 लाख 56 हजार 900 रुपये का जुमार्ना वसूल किया गया। प्रवक्ता ने कहा कि पुलिस द्वारा मुख्य रूप से वाहन पर बिना नंबर प्लेट के 263, लाइन चेंज के 137, बिना हेलमेट के 345, ओवर स्पीड के 454, रोंग साइड के 924, बिना सीट बेल्ट के 352, शराब पीकर ड्राइविंग के 21, मोबाइल प्रयोग के 2, ब्लैक फिल्म के 3 तथा अंडर एज के 10 चालान किए गए है। इसके अतिरिक्त पराली लोड करके रास्ता अवरुद्ध करने पर 4 ट्रेक्टर के भी चालान किए गए है। एसपी आस्था मोदी ने कहा कि आमजन वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों के प्रति लापरवाही बरतते है जिस लापरवाही की वजह से हम खुद को दूसरों को और अपने परिवार के साथ धोखा करते है जिससे कि जान माल का नुकसान भी होता है। एसपी ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य चालान काटने का नही है बल्कि आमजन की जिंदगी बचाना है।

एसपी कैथल आस्था मोदी।

सड़को पर होने वाली दुर्घटनाओं में होने वाले जानमाल के नुकसान को कम करने के लिए पुलिस कटिबद्ध है। समाज के एक जिम्मेदार व समझदार नागरिक होने के नाते ट्रैफिक नियमों की पालना करें खुद की जिंदगी और अपनें परिवार की जिन्दगी को सुरक्षित रखें।

नशा विरोधी अभियान चला कर नागरिकों को नशा से दूर रहने की हिदायत दे रहा है हरियाणा सरकार

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। हरियाणा सरकार व प्रशासन लगातार नशा विरोधी अभियान चला कर नागरिकों को नशा से दूर रहने की हिदायत दे रहा है। आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सोंगरी प्रिंसीपल सुनीता अहूजा ने बताया कि हरियाणा सरकार व माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेर्शानुसार स्कूल में विद्यार्थियों को नशा मुक्ति अभियान के बारे में जागरूक किया गया है। विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में बताया गया है। उन्हें बताया गया कि व्यक्ति किस प्रकार नशे का आदी हो जाता है और यही नशा उसकी जिंदगी तबाह कर देता है।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विद्यालय के नशा मुक्ति अभियान के नोडल ऑफिसर भूगोल प्रवक्ता मोनू ने बताया कि नशे की लत से व्यक्ति अपने परिवार व समाज से दूर हो जाता है। समाज में उसका अपयश होता है। परिवार टूटने लगता है। जिसके गंभीर परिणाम हमारे सामने आ रहे हैं। नशे की आदतों के कारण ही दिन प्रतिदिन कैंसर, टी.बी. किडनी पेशेंट के रोगी बढ़ते जा रहे हैं। हमें समाज को नशा मुक्त करने के लिए एकजुट होकर प्रयास करना चाहिए और इसके लिए युवा वर्ग को आगे आना चाहिए। सभी स्टाफ सदस्यों व विद्यार्थियों ने मिलकर नशा मुक्त रहने के लिए शपथ ली।

छात्रा खुशी ने विज्ञान संकाय ने राज्य स्तर पर जीता इनाम: हरियाणा राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा हर वर्ष राज्य के सभी स्कूलों में साइंस एससे राइटिंग कंपटीशन आयोजित करवाया जाता है। इस कंपटीशन में आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सोंगरी की छात्रा खुशी पुत्री रोहतास कक्षा 11वीं विज्ञान संकाय ने राज्य स्तर पर प्रथम दस विजेताओं में स्थान पाया है। उसे सरकार की तरफ से 3000 रूपए का इनाम प्राप्त होगा। यह प्रतियोगिता 17 जनवरी 2025 को राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जींद में आयोजित की गई थी। इससे पहले इस छात्रा ने जिला स्तर पर भी होने वाली प्रतियोगिता में भी पहले पांच विजेताओं में स्थान पाया था।

स्कूल प्राचार्य डॉ सुनीता आहूजा ने बताया कि खुशी एक बहुत ही होनहार छात्रा है और यह पढ़ाई के साथ-साथ विद्यालय की सभी गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेती है। सभी स्टाफ सदस्यों ने छात्रा की इस उपलब्धि पर उसे बधाई दी या उसके उज्जवल भविष्य की कामना की।

महाराणा प्रताप जयंती पर राजपूत सभा के प्रधान का ऐलान, तन मन और धन से सेना और सरकार के साथ

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। राजपूत सभा करनाल की ओर से महाराणा प्रताप चौक पर स्थित वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। हर वर्ष की तरह महाराणा प्रताप जी की जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई। महाराणा प्रताप चौक पर हवन यज्ञ कर प्रसाद वितरित किया गया।

महाराणा प्रताप जी का चौक फूलों से सजाया गया था।राजपूत सभा करनाल के प्रधान डॉक्टर नरेंद्र प्रताप सिंह, महासचिव एडवोकेट बृजपाल राणा सहित उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने सभी देशवासियों को महाराणा जी की जयंती की शुभकामनाएं दी। प्रधान डॉक्टर नरेंद्र प्रताप सिंह महासचिव एडवोकेट बृजपाल राणा, कैप्टन राजेंद्र सिंह, ईश्वर सिंह राणा व अन्य ने बताया कि 9 मई को महाराणा प्रताप जी के जन्म दिवस पर राजपूतों के सबसे बड़े गांव सालवन में असंध विधायक योगेन्द्र राणा की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय जयंती का आयोजन किया जाना था जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि पहुंचने वाले थे, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के मद्देनजर इस बड़े कार्यक्रम को स्थगित किया गया। इस कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी थी। इसके बाद गांव स्तर पर ही महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर और प्रसाद वितरित कर-के उनकी जयंती मनाई जा रही है।

प्रधान ने कहा की राजपूत समाज तन मन और धन से भारतीय सेना और सरकार के साथ है। इस लड़ाई में किसी भी रूप में सरकार और सेना को जरूरत पड़ेगी तो राजपूत हमेशा सबसे आगे खड़े मिलेंगे। इस दौरान समाज के लोगों में पाकिस्तान के प्रति गुस्सा भी दिखाई दिया और सीधे तौर पर कहा कि इस बार आर पार की लड़ाई होनी चाहिए। आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश पाकिस्तान को पूरी तरह से मिट्टी में मिला देना चाहिए। हमें महाराणा प्रताप जी के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने दुश्मन का डटकर मुकाबला किया और अपनी सेना और नागरिकों का मनोबल कभी भी कम नहीं होने दिया। उन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन न्योछावर किया जिसके चलते उन्हें वीर शिरोमणि, मेवाड़ मुकुट,महान पराक्रमी योद्धा सहित अन्य उपाधियों से भी जाना जाता है इस अवसर पर अजमेर सिंह पंवार सहित काफी संख्या में 36 बिरादरी के लोग उपस्थित रहे।